आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 96। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025

मुख्यमंत्री कुक्षी में स्व-सहायता समूह सम्मेलन सह-पोषण पखवाड़े कार्यक्रम में हुए शामिल

स्व-सहायता समूह से 'बहनों' के जीवन में नए सूर्य का हुआ उदय : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूह महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। इससे न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि महिलाएं आर्थिक रूप से समृद्ध भी हो रही है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने की पहल में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की प्रमुख भूमिका है। सशक्त नारी ही समृद्ध प्रदेश का आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार जिले के कुक्षी में आयोजित स्व-सहायता समूह सम्मेलन सह-पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम को संबोधित किया।

संबोधन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों को निकाय चुनाव में 50% आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही 2029 तक लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33% आरक्षण के प्रयास भी किये जा रहे हैं। जमीन या मकान की रजिस्ट्री महिला के नाम पर करने पर पंजीयन शुल्क में छूट दी जा रही है। लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने हर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर अपना सामर्थ्य दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। आज जनजातीय वर्ग की महिला देश की राष्ट्रपति हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हजारों सालों से देवियों की पूजा होती रही है। नवरात्रि में 9 दिन देवी की आराधना की जाती है। दुनिया में भारत ही एकमात्र देश है, जो राष्ट्र को माता मानता है। राज्य सरकार हर माह लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए डालकर रक्षाबंधन मना रही है। सभी पात्र लाड़ली बहनों को 1250 रुपए की राशि मिलती रहेगी। अगर बहनों के हाथों में पैसे आएंगे तो परिवार में कुछ बचत होगी। सरकार बहन-बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह परिवार और समाज को सशक्त बनाने का एक प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। प्रदेश के हर घर को गोकुल बनाएंगे। राज्य सरकार द्वारा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से नई गौपालन योजना बनाई गई है। भविष्य में गौशालाओं के माध्यम से प्रदेश की बहनों के जीवन में भी बड़ा बदलाव आ सकता है। राज्य सरकार उन्हें नए व्यवसाय से जोड़ने के कार्य कर रही है। अब स्व-सहायता समूह की महिलाओं को गौशालाओं से जोड़ेंगे और समूह की महिलाएं दूध से बने उत्पाद जैसे- मिठाई, रबड़ी, कलाकंद तैयार करेंगी। बहन-बेटियों की मिठाई की दुकान खुलेगी, उनकी आय बढ़ेगी।

सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए 24 घंटे काम कर रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिये प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने कपड़ा कारखानों में काम करने वाली बहनों को 5000 रुपए प्रोत्साहन राशि के रुप में अलग से देगी। कंपनी मालिक भी 8000 रुपए मेहनताना देंगे। इस प्रकार उनकी मासिक आय 14 हजार 250 रुपए सुनिश्चित हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए 24 घंटे काम कर रही है। राज्य सरकार ने 1 लाख शासकीय पदों पर भर्ती का अभियान शुरु किया है। आने वाले कुछ दिनों में प्रमोशन के लिए स्वीकृति देकर राज्य सरकार 4 लाख से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को सौगात देगी। सरकार अगले 5 साल में ढाई लाख नौकरी के अवसर प्रदान करेगी। गरीब हो या अमीर, सरकार का काम सभी की भलाई के लिए काम करना है। मध्यप्रदेश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। स्कूलों में बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाई के लिए किताब-कॉपियां दी जा रही हैं। मेधावी विद्यार्थियों के लिए साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप प्रदान करने की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हमारी सरकार में हर बेरोजगार के हाथ में रोजगार होगा। राज्य सरकार गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिए कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश को देश में नंबर-1 राज्य बनाकर छोड़ेंगे।

गडकरी 10 अप्रैल को धार को देवास से जोड़ने वाली 4 लेन का लोकार्पण करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार के बदनावर में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 10 अप्रैल को धार को देवास से जोड़ने वाली 4 लेन का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की नई सौगातें मिलेंगी। 30 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण की सौगात भी मिलेगी। शुक्रवार 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री मोदी आनंदपुर धाम आ रहे हैं। इसके बाद रविवार 13 अप्रैल को केन्द्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह सहकारी सम्मेलन में भोपाल आएंगे। सहकारिता कार्यों को गति प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ अनुबंध करेंगे।

बंगाल में लागू नहीं होगा वक्फ कानून

ममता बोलीं- गोली मार दो पर धर्म के नाम पर बंटवारा मंजूर नहीं, बीजेपी ने कहा- फर्जी हिंदू

एजेंसी ● नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी है, मुस्लिम समुदाय की संपत्ति की रक्षा करेगी।

ममता कोलकाता में जैन समाज के कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा- कुछ लोग पूछते हैं कि मैं हर धर्म के स्थानों पर क्यों जाती हूं। मैं पूरी जिंदगी जाऊंगी। चाहे कोई गोली मार दे, मुझे एकता से अलग नहीं किया जा सकता। बंगाल में धर्म के नाम पर बंटवारा नहीं होगा। जियो और जीने दो यही हमारा रास्ता है।

इस बयान पर भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता फर्जी हिंदू हैं, अपनी भाषा और आचरण से उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की दुकानों पर तोड़फोड़ की गई, पुलिस पर हमला किया गया। फिर भी ममता चुप हैं।

वक्फ संशोधन कानून लोकसभा-राज्यसभा से पास होने के बाद 8 अप्रैल से देश में लागू कर दिया गया है। इसकी संवैधानिकता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट इस पर सुनवाई के लिए तैयार है। तारीख अभी नहीं तय की है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में लगातार तीसरे दिन हंगामा

इधर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को लगातार तीसरे दिन नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) और भाजपा के विधायकों के बीच हाथापाई हो गई। विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

दूसरी ओर, AAP विधायक मेहराज मलिक ने कहा- हिंदू तिलक लगाते हैं लेकिन पाप करते हैं। इस पर भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने मलिक की निंदा करते हुए कहा कि यह हिंदुओं का अपमान है।

विमान में शख्स ने बगल के पैसेंजर पर पेशाब की

नई दिल्ली। एअर इंडिया की फ्लाइट में एक शख्स ने बगल में बैठे पैसेंजर पर पेशाब कर दी। विमान दिल्ली से बैंकॉक जा रहा था। एअर इंडिया के स्टेटमेंट के मुताबिक, घटना 9 अप्रैल की है। केबिन क्रू ने बताया कि दिल्ली-बैंकॉक फ्लाइट (AI2336) में एक पैसेंजर ने नियम के खिलाफ बर्ताव किया। मामले को डायरेक्टरेट ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) के अफसरों को बता दिया गया है। मामले पर नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि अगर कुछ भी गलत हुआ है तो हम जरूरी कार्रवाई करेंगे।

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में 1332 करोड़ का रेल प्रोजेक्ट मंजूर

14 लाख लोगों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी; कैबिनेट बैठक में फैसला

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में बुधवार को कई अहम प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में तिरुपति से कटपडी तक 104 किमी की सिंगल रेलवे लाइन को डबल लाइन में बदला जाएगा।

इसमें करीब 1332 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इससे आंध्र प्रदेश के तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर तक कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ ही अन्य प्रमुख स्थलों जैसे श्री कालहस्ती शिव मंदिर, कनिपकम विनायक मंदिर, चंद्रगिरी किला आदि तक भी रेल कनेक्टिविटी हो सकेगी।

यह मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से करीब 400 गांवों और करीब 14 लाख आबादी तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके साथ ही इस परियोजना से रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 113 किमी बढ़ जाएगा।

PMKSY के तहत 1600 करोड़ की सबस्कीम मंजूर इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) के तहत एक सबस्कीम को मंजूरी मिली है। इसके तहत कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (M-CADWM) को अपग्रेड करने के लिए 1600 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं।

इस योजना से किसी क्लस्टर में मौजूदा नहरों या पानी के अन्य स्रोतों से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। इसमें पानी के सोर्स से एक हेक्टेयर तक के खेत तक अंडरग्राउंड पाइप लाइन के जरिए प्रेशराइज्ड वाटर सप्लाई होगी।

इससे माइक्रो एरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। हालांकि, अभी पायलट प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी मिली है। इसके नतीजों के आधार पर 1 अप्रैल, 2026 से पूरे देश में योजना शुरू की जाएगी। 78 पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए करीब 80 हजार किसान शामिल होंगे। पाइप लाइन डालने के लिए जमीन अधिग्रहण नहीं होगा। पानी की बचत के लिए इस योजना में सरफेस वाटर (नदी, तालाब, झील आदि) का इस्तेमाल होगा।

पानी के ऑटोमैटिक कंट्रोल के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) यानी संसाधनों के नेटवर्क और सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्यूजिशन (SCADA) सिस्टम का इस्तेमाल होगा। योजना में सैटेलाइट डेटा और जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (GIS) का भी इस्तेमाल होगा। सही समय पर पानी की सही मात्रा के लिए AI का इस्तेमाल किया जाएगा।

कैबिनेट ने 6 लेन जीरकपुर बाईपास को भी मंजूरी दी है। यह जो जीरकपुर में NH-7 (चंडीगढ़-बठिंडा) के साथ जंक्शन से शुरू होगा और हरियाणा के पंचकुला में NH-5 (जीरकपुर-परवाणू) के साथ जंक्शन पर खत्म होगा।

गुरमीत राम रहीम जेल से 13वीं बार बाहर आया

रोहतक। हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में रेप और हत्या के मामले में 20 साल की सजा काट रहा डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आया है। उसे 21 दिन की फरलो मिली है। इस दौरान राम रहीम पूरे 21 दिन सिरसा डेरे में ही रहेगा। बुधवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे उसे कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से सिरसा पहुंचाया गया। राम रहीम की मुख्य शिष्या हनीप्रीत उसे लेने रोहतक जेल आई थी। सिरसा पहुंचे राम रहीम ने वीडियो जारी कर कहा, ''फिर से श्रद्धालुओं की सेवा में हाजिर हूं। सभी अपने-अपने घरों में रहें और डेरे के जिम्मेदार लोग जो कहें, वही करें।'' राम रहीम डेरे के स्थापना दिवस के 77वें समारोह में शामिल होगा। डेरा सच्चा सौदा की स्थापना 29 अप्रैल 1948 को संत शाह मस्ताना ने की थी। इसी में शामिल होने राम रहीम को फरलो मिली है।

देश और मुस्लिम समाज के हित में है वक्फ कानून, दूर होंगी विसंगतियां : पीएम मोदी

एजेंसी ● नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने वक्फ बोर्ड ऐक्ट बनने को लेकर कहा कि अब एक शानदार कानून बना है। यह देश और मुस्लिम समाज के हित में है। इससे वक्फ की पवित्र भावना की भी रक्षा होगी। इसके अलावा गरीब, पसमांदा मुस्लिम और उनके बच्चों के हित सुरक्षित रहेंगे।

एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि वक्फ बोर्ड की ताकत इतनी थी कि मंदिर, चर्च, गुरुद्वारा, खेत और सरकारी जमीन हो, किसी को यह भरोसा नहीं रह गया था कि उनकी जमीन उनकी ही रहेगी। हर कोई डरा रहता था कि कब नोटिस न आ जाए। नोटिस आया नहीं कि लोग अपने ही घर के कागज ढूंढने लग जाते थे और कानूनी लड़ाई में उलझ जाते थे। वह भी उस जमीन के लिए जो उनकी अपनी हुआ करती थी। उन्होंने कहा कि हमने वक्फ बोर्ड ऐक्ट लाकर न्याय किया है और इससे सारी विसंगतियां दूर हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि देश अब तक तुष्टिकरण की राजनीति से चलाया गया और उसका हमें खामियाजा भी भुगतना पड़ा। तुष्टिकरण की राजनीति कोई नई नहीं है। इसका बीज स्वतंत्रता संग्राम के समय ही बो दिया गया था। भारत कई देशों के साथ ही आजाद हुआ था, लेकिन किसकी स्वतंत्रता की शर्त विभाजन थी। भारत के साथ ही ऐसा क्यों हुआ। ऐसा इसलिए क्योंकि उस समय राष्ट्र हित से ऊपर सत्ता का मोह हो गया। विभाजन सभी मुस्लिमों का काम नहीं था बल्कि कांग्रेस समर्थित कट्टरपंथियों का काम था।'

उन्होंने कहा कि इसी तुष्टिकरण की राजनीति का शिकार तो पसमांदा मुस्लिम हुए और महिलाएं भी हैं। कांग्रेस ने इसे वोटबैंक की राजनीति का हथियार बना लिया। 2013 में वक्फ बोर्ड में किया गया संशोधन कट्टरपंथियों और भूमाफियाओं को खुश करने का कानून था। वक्फ कानून ने संविधान को भी कमतर कर दिया। हाल यह हो गया कि भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हो गए। केरल में ईसाई समुदाय के लोगों की जमीनों पर दावा, हरियाणा में गुरुद्वारों की जमीन पर विवाद हो गया। इसके अलावा उन्होंने कर्नाटक का भी एक मामला बताया। आखिर यह कैसा कानून था, जिसने डर पैदा किया था।

पोल्ट्री कॉन्क्लेव का दूसरा दिन

विकसित पोल्ट्री राष्ट्र के लिए 3000 पोल्ट्री किसान सम्मेलन में उपस्थित हुए

संवाददाता ● रायपुर

शहर के होटल ओमाया गार्डन में चल रहे देश के सबसे बड़े पोल्ट्री कॉन्क्लेव के दूसरे दिन पूरे भारत से पोल्ट्री किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरआत में आईबी ग्रुप की ओर से पोल्ट्री विशेषज्ञ डॉ. आर. के. जायसवाल और डॉ मुबारक हुसैन ने किसानों को पोल्ट्री फार्म के प्रबंधन और आवश्यक वैक्सीनेशन की विस्तृत जानकारी दी।

दो दिवसीय पोल्ट्री सम्मेलन में तकनी की जानकारी के साथ किसानों के लिए बहुत सी घोषणाएं और योजनाएं भी लॉन्च की गई। समृद्धि योजना द्वारा आईबी ग्रुप, किसानों को कन्या रत्न होने और उसके विवाह हेतु 25000-25000 रुपये देने की घोषणा की।

आदिवासी महिलाओं के लिए अस्मिता प्रोजेक्ट :आईबी ग्रुप द्वारा आदिवासी महिलाओं को रोजगार देने के लिए अस्मिता प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है जिसमें महिलाओं को जोड़कर लखपति दीदी बनाने की योजना है। अभी तक मोहला मानपुर से आदिवासी महिलाओं का चयन कर उन्हें पोल्ट्री फार्म को लेकर प्रशिक्षित किया गया है इस मामले में राज्य सरकार और जिला प्रशासन भी आगे आकर अच्छा काम कर रहा है और गहिलाओं का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित करते हुए गांव-गांव में रोजगार से जोड़ा जा रहा है। राजनांदगांव जिले से इसकी शुरुआत हुई है इसके बाद अंबिकापुर और जगदलपुर जैसे बिलों में काम किया जाएगा।

समारोह में कंपनी की डायरेक्टर श्रीमती ज़ोया आफ़रीन आलम भी उपस्थित थी। किसानों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय पोल्ट्री को विश्व स्तर पर लाने के लिए ईसी (एनवायरगेटली कंट्रोल्ड) पोल्ट्री हाउस तकनीक को अपनाना ही पड़ेगा क्योंकि भविष्य में क्लाइमेट चेंज जैसी चुनौतियों से बचना बहुत जरूरी है और इस बदलाव के साथ हम समान वजन की बर्डस और साल में लगभग 6 बैच निकालकर देश को प्रोटीन पहुँचाने के उद्देश्य में सफल हो पायेंगे।

आईबी ग्रुप किसानों को आगे बढ़ाने के लिए एआई जैसी नई तकनीकों को लेकर आ रही

आईबी ग्रुप के एमडी श्री बहादुर अली ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश भर के जो पोल्ट्री किसान इस सम्मेलन में उपस्थित हुए है मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। आईबी ग्रुप जिस मुक़ाम में खड़ी है उसके पीछे संघर्षों की एक लंबी सूची है लेकिन कंपनी अपने किसानों के कारण ही इतनी बड़ी बन पाई है। आईबी ग्रुप ही एक ऐसी कंपनी है जो किसानों को व्यापार के लिए नहीं विकास के लिए साथ जोड़ती है। आईबी ग्रुप अपने किसानों को आगे बढ़ाने के लिए एआई जैसी नई तकनीकों को लेकर आ रही है जिससे विकसित भारत के साथ विकसित पोल्ट्री राष्ट्र का सपना साकार हो पायेगा। दो दिवसीय सम्मेलन में कंपनी के सीएमडी श्री सुल्तान अली, डायरेक्टर श्री जीशान अली और डायरेक्टर श्रीमती तनाज अज़ीज़ उपस्थित थी।

RHYTHM 2k25 के पंद्रहवें संस्करण का हुआ आगाज़

विवि परिसर में 'रेट्रो रिवाइवल' थीम पर निकला भव्य चल समारोह

संवाददाता ● भोपाल

समारोह

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव रिदम 2K25 इस वर्ष अपने पंद्रहवें संस्करण में भव्यता और नये उत्साह के साथ आगाज किया है। इस चार दिवसीय उत्सव की थीम "रेट्रो रिवाइवल" रखी गई है, जो युवाओं को पुराने दौर की सांस्कृतिक झलकियों से जोड़ते हुए नवाचार के साथ प्रस्तुत कर रही है। उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय की डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो चांसलर, डॉ. आर.पी. दुबे, कुलगुरु, डॉ. संजीव गुप्ता, प्रो वाइस चांसलर, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ नितिन वत्स विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर विश्वविद्यालय की डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि रिदम जैसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं। यह महोत्सव छात्रों के लिए एक प्रेरणास्रोत है। डॉ. आर.पी. दुबे ने कहा कि यह उत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को मंच देने वाला सशक्त माध्यम है। डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि रिदम विश्वविद्यालय की रचनात्मकता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को टीमवर्क, प्रबंधन और नेतृत्व की वास्तविक शिक्षा देते हैं।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में आकर्षक चल समारोह के साथ महोत्सव का उद्घाटन हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं ने रचनात्मक झांकियों और रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर

दिया। कार्यक्रम के पहले दो दिनों में बॉडी और फेस पेंटिंग, रील्स मेकिंग, फायरलेस कुकिंग, नुक्कड़ नाटक, मोनो एक्ट, माइम, पोएट्री, डिबेट, स्टोरी टेलिंग, स्टोरी राइटिंग, कोडिंग मैराथन, वीविंग आर्ट, पेपर बीड, ग्रुप डांस, सोलो डांस, सोलो सिंगिंग और सोलो इंस्ट्रुमेंटल जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शहर के अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेज के विद्यार्थी प्रतिभागिता कर रहे। इस दौरान स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल की वार्षिक रिपोर्ट और साहित्यिक पत्रिका रंग संवाद का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

10 अप्रैल को विशेष रूप से "Afro-fest" का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अफ्रीकी महाद्वीप के लगभग 15 देशों के 250 विद्यार्थी भाग लेंगे। यह आयोजन वैश्विक संस्कृति के संगम और विविधता को दर्शाने वाला होगा। 11 अप्रैल को मेगा इवेंट में विद्यार्थियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतिभाओं को मंच देकर विश्वविद्यालय उनकी रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देगा। 12 अप्रैल को इस उत्सव का भव्य समापन "सेलिब्रिटी नाइट" के साथ होगा, जिसमें बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक अर्जुन कानूनगो अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विश्वविद्यालय के स्टूडेंट एक्टिविटी कॉउंसिल के डीन डॉ. अंकित पंडित ने बताया कि यह आयोजन रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल द्वारा किया जा रहा है, जो छात्रों द्वारा छात्रों के लिए और छात्रों के माध्यम से संचालित एक सक्रिय मंच है।

शॉर्ट न्यूज

रेंजर 1 लाख की रिश्वत लेते धराया

इंदौर। काम के बदले 3 प्रतिशत कमीशन मांगने के मामले में इंदौर की लोकायुक्त टीम ने बुधवार को वन विभाग के रेंजर को रंगे हाथ पकड़ा है। रेंजर से wएक लाख रुपए भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि रेंजर पहले भी घूस ले चुका है। वन विभाग के ठेकेदार जितेंद्र वास्कले निवासी मनावर (धार) ने लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय से शिकायत में बताया कि उसने धार के बाग रोड से पांडु गुफा तक 3 किलोमीटर रोड के निर्माण का ठेका लिया है। 2 किलोमीटर सड़क वन विभाग के क्षेत्र में आता है। जिसकी अनुमति उसने वन विभाग से ली है। लेकिन रेंजर वैभव उपाध्याय ने काम रुकवा दिया है। वास्कले ने बताया कि रेंजर उपाध्याय उससे लागत का 3% रिश्वत के रूप में मांग रहे हैं। कुछ समय पहले 96 हजार रिश्वत ली थी। लेकिन अब 2 लाख रुपए की घूस मांग रहा है। इसके बाद लोकायुक्त संगठन ने वास्कले से ही फोन व अन्य माध्यमों से शिकायत की पुष्टि की।

ट्रैफिक थाने के कबाड़ में लगी आग कार, ऑटोरिक्शा खाक

इंदौर। शहर के पश्चिम इलाके के ट्रैफिक थाने में बुधवार को आग लग गई। इसमें कबाड़ में खड़ी हुई गाड़ियां जलकर खाक हो गई। आग के चलते आसपास के इलाके में काफी धुआं फैल गया। एसीपी जोन 4 सुप्रिया चौधरी ने बताया कि संभवतः आग शॉर्ट-सर्किट के चलते लगी है। इसमें ज्यादा सूखे पेड़ और पत्ते जले हैं। वहां कुछ गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि फायर बिग्रेड ने आग पर काबू किया है। फायर बिग्रेड के मुताबिक घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। यहां शॉर्ट-सर्किट के चलते सूखे पेड़ में आग लग गई थी। आग बढ़ते-बढ़ते वहां खड़े जब्ती के वाहनों तक पहुंच गई। कुछ देर में आग ने भयावह रूप ले लिया। आग से कबाड़ में खड़ी कार, ऑटो रिक्शा और बाइक जल गई।

एप्पल अस्पताल के डॉक्टर से लेनदेन के विवाद में मारपीट

इंदौर। छोटी ग्वालटोली इलाके में सोमवार रात एक ट्रेवल्स कार्यालय पर उस समय हंगामा हो गया, जब एप्पल अस्पताल में पदस्थ डॉ. विक्रम सिंह अपने बड़े भाई से मिलने पहुंचे। ड्यूटी खत्म कर पहुंचे डॉक्टर के साथ वहां मौजूद चार लोगों ने मारपीट कर दी। आरोप है कि डंडे से सिर पर हमला किया गया, जिससे डॉक्टर को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना रात करीब 9:30 बजे की है। डॉ. विक्रम सिंह, जो पेशे से एप्पल अस्पताल में कार्यरत हैं, ड्यूटी के बाद अपने बड़े भाई राजेन्द्र सिंह से मिलने गजराज ट्रेवल्स, छोटी ग्वालटोली पहुंचे थे। तभी वहां राहुल बिकानिया, सूरज यादव, नागेन्द्र द्विवेदी और एक महिला वहां आए और पुराने लेनदेन को लेकर राजेन्द्र सिंह के साथ गाली-गलौज करने लगे।

पूर्वांचल युवा शक्ति द्वारा भव्य भोजपुरी उत्सव का आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

आयोजन

भोपाल, मध्य प्रदेश भोजपुरी भाषा और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन हेतु पूर्वांचल युवा शक्ति तत्वाधान में भव्य भोजपुरी उत्सव का आयोजन मंगलवार, 08 अप्रैल 2025 सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल मानव भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल मे हुआ। कार्यक्रम के संयोजक आशीष पाठक ने बताया कि बिहार के लोकगीत गायक कलाकार भोजपुरी उत्सव में अपनी प्रस्तुतियां दी जिसमे सुप्रसिद्ध लोकगायक विनीत तिवारी एवं प्रिया सिंह ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृभाषा व सांस्कृतिक विरासत को सहेजना व युवा पीढ़ी को जोड़ा जाए रहा । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरी नारायण चारी मिश्रा, भोपाल पुलिस कमिश्नर, मुख्य वक्ता चेतन सिंह जी बोर्ड मेंबर क्वालिटी काउंसिल भारत सरकार नई दिल्ली, पार्षद नीरज सिंह एवं विशिष्ट अतिथि मेजर निशांत कुमार (सेवानिवृत), प्रधान प्रशासनिक अधिकारी N.I.T.T.T.R. विश्वविद्यालय भोपाल उपास्थि रहे जिनका पूर्वांचल युवा शक्ति के युवा कार्यकर्ताओं आशीष पाठक, अमित सिंह, सत्यम गिरी, कार्तिक चौबे, निशांत पाठक, आदर्श पासवान, सुमित, उज्वल राय द्वारा सम्मान किया गया एवं जिसमे भोजपुरी समाज के वरिष्ठ जन विशेष रूप से गंगासागर यादव मिथिलेश राय छोटे लाल गिरी कुंवर प्रसाद जी रामस्वरूप राजपूत शांतनु गिरी बृजेश सिंह विनय सिंह सिमोनी भारती कौशल झा प्रिंस गिरी ओमप्रकाश यती यदि सैकड़ो भोजपुरी समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित थे जिनका पूर्वांचल युवा शक्ति के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा गमछा पहना कर स्वागत किया गया। जिसमे सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कस्तूरबा ग्राम में 6 झोपड़ियां खाक आग बुझाने में मजदूर भी झुलसा

संवाददाता ● इंदौर

तेजाजी नगर थाना क्षेत्र स्थित कस्तूरबा ग्राम में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। सड़क किनारे बनी करीब छह झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। हादसे में एक मजदूर झुलस गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना रात करीब 2:45 बजे तेजाजी नगर पुलिस को मिली। गश्त कर रही टीम मौके पर पहुंची और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार, झोपड़ियों में मजदूर परिवार रहते हैं। आग लगते ही अधिकांश लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन आग बुझाने के दौरान गिरधारी नामक मजदूर झुलस गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस के मुताबिक, झोपड़ियां सड़क किनारे बनी थीं और इनमें रहने वाले सभी परिवार कबाड़ और लोहे का सामान बेचने का काम करते हैं। आग किस कारण लगी, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

कार में लेकर घूमते रहे, परिवार से मांगी फिरौती

15 हजार की उधारी के लिए युवक का अपहरण, 3 धराए

संवाददाता ● इंदौर

मामला

उधारी के 15 हजार रुपए न चुकाने पर अरविंद भंडारी, करण भंडारी, अजय और उनके एक अन्य साथी ने मंगलवार को सुदामा नगर इंदौर निवासी अर्जुन ठाकुर का आजाद नगर के पालदा से अपहरण कर लिया। आरोपियों ने अर्जुन के परिजनों को फोन किया और रुपयों की मांग की। मामले में पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया, जबकि एक आरोपी अभी फरार है।

एडिशनल एसपी आलोक शर्मा ने बुधवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि अर्जुन ठाकुर ने आरोपियों से 15 हजार रुपए उधार लिए थे। जिसे वापस लेने के लिए अर्जुन का अपहरण किया। चारों आरोपियों ने उसे पालदा से उठा लिया, बंधक बनाकर रखा और गाड़ी में अलग-अलग जगह घुमाते रहे। उसके साथ मारपीट भी की। आरोपियों ने अर्जुन के परिजनों से 15 हजार रुपए मांगे। यह भी कहा कि रुपए मिलने पर अर्जुन को छोड़ देंगे। परिजनों ने 5000 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए, फिर भी नहीं छोड़ा तो अर्जुन के भाई उसके भाई उज्जवल सिंह ठाकुर ने पुलिस के पास चले गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अर्जुन के मोबाइल को सर्विलांस पर डाला और आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर ली। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर इंदौर-देवास रोड से तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। वहीं चौथा आरोपी देवास को बताया जा रहा है, जिसे गिरफ्तार करने पुलिस छापेमारी कर रही है।

दुकान से गाड़ी में बैठाकर ले गए थे आरोपी

टीआई विजय सिसौदिया ने बताया कि आरोपी, अर्जुन को सामान्य बातचीत करते हुए दुकान से उठाकर ने गए थे। बाद में उन्होंने उसके परिजनों को फोन लगाकर उधारी के रुपए वापस करने की मांग की। अर्जुन के भाई उज्जवल ने मोबाइल खरीदने के लिए आरोपियों से 15 हजार रुपए उधार लिए थे। उसने कुछ दिनों में रुपए लौटाने का वादा किया था, पर वह रुपए नहीं लौटा रहा था। इस पर अर्जुन ने आरोपियों को भरोसा दिलाया था कि वह रुपए लौटा देगा। घटना में चार युवक साथ थे। इनमें से तीन को हिरासत में ले लिया गया है। चौथा युवक देवास का रहने वाला है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। चौथे आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ईनाम घोषित करने पर विचार कर रही है।

एलएनसीटी विश्वविद्यालय को ट्रिपल में स्वर्ण पदक

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता

संवाददाता ● भोपाल

स्पर्धा

भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वाधान मे एलएनसीटी एलएनसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल में एलएनसीटी कैंपस रायसेन रोड भोपाल में खेली जा रही चार दिवसीय ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ड्रॉप रोबॉल (महिला & पुरुष) प्रतियोगिता 2024-25 के तीसरे दिन पुरुष वर्ग ट्रिपल मुकाबले मे एलएनसीटी विश्वविद्यालय के हर्षित जैन, प्रथम पिपलोदिया, शशांक शुक्ला, तरुण घावरी, ध्रुव खन्ना ने फाइनल मुकाबले में जेजेटीयू यूनिवर्सिटी को 15/8,15/6 से हराकर स्वर्ण पदक जीता इस वर्ग का कांस्य पदक यूनिवर्सिटी आफ केलीकट ने अर्जित किया। महिला वर्ग ट्रिपल मुकाबले में एमजीकेवीपी ने स्वर्ण पदक, यूनिवर्सिटी आफ केलीकट ने रजत पदक तथा संदीप यूनिवर्सिटी नासिक ने कांस्य पदक अर्जित किया। मिक्स डबल्स मुकाबले में मुकाबले में जेजेटीयू ने स्वर्ण पदक, यूनिवर्सिटी आफ केलीकट ने रजत पदक, कुमाऊं यूनिवर्सिटी नैनीताल ने कांस्य पदक अर्जित किया प्रतियोगिता के डायरेक्टर ईश्वर सिंह आर्य टेक्निकल डायरेक्टर मृत्युंजय शर्मा एवं ईश्वर पंघाल हैं स्पर्धा सहसचिव महेश सोधिया ने बताया कि कल प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण ऑडिटोरियम में किया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों को मेडल ट्रॉफी मोमेंटो के अतिरिक्त लकी ड्रॉ एवं गिफ्ट दिए जाएंगे।

जिला प्रशासन और नगर निगम की कार्रवाई

पलासिया में 40 ऑफिस वाली मल्टी सील, फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं मिले

संवाददाता ● इंदौर

कार्रवाई पलासिया क्षेत्र में स्थित रॉयल आर्केड बिल्डिंग में की गई। बिल्डिंग में कई ऑफिस बने हैं, जहां रोज कई लोग काम करने आते हैं।

कार्रवाई

जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को एक बिल्डिंग को सील कर दिया। बिल्डिंग में 40 ऑफिस बने थे। लेकिन यहां फायर सेफ्टी को लेकर कोई इंतजाम नहीं मिले। कार्रवाई पलासिया क्षेत्र में स्थित रॉयल आर्केड बिल्डिंग में की गई। बिल्डिंग में कई ऑफिस बने हैं, जहां रोज कई लोग काम करने आते हैं।

बुधवार को भी रोज की तरह यहां बैंक, कोचिंग क्लास और अन्य ऑफिसों में लोग अपना-अपना काम कर रहे थे। दोपहर में जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम यहां पहुंची। उन्होंने बिल्डिंग में फायर सेफ्टी की चेकिंग की। सेफ्टी स्टैंडर्ड पूरे नहीं होने पर अधिकारियों ने कार्रवाई का आदेश दिया। जिसके बाद टीम ने बिल्डिंग को खाली करवाया। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग मालिक को इस संबंध में पहले ही नोटिस दिया जा चुका था। मगर यहां किराएदारों को इसकी जानकारी नहीं थी।

स्टूडेंट-स्टाफ सभी को किया बाहर

टीम ने बिल्डिंग को सील करने की कार्रवाई के पहले कोचिंग क्लास में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को, ऑफिस में काम करने वाले स्टाफ को बाहर कर दिया। इस दौरान हंगामे की भी स्थिति बनी, लेकिन अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया। बता दें कि शहर में फायर सेफ्टी को लेकर अलग-अलग जगह इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। गर्मी में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर अधिकारियों द्वारा सभी हाई राइज एवं अन्य बिल्डिंग मालिकों को फायर सेफ्टी के सभी मानक पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद कई जगह इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अधिकारियों की टीम शहर में अलग-अलग जाकर जांच कर रही है। जांच में कमी मिलने पर उनके द्वारा कार्रवाई की जा रही है। एसडीएम प्रदीप सोनी ने बताया कि जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई चल रही है। बिल्डिंग की परमिशन के दौरान भी सभी सिस्टम लगाने के लिए कहा जाता है। इस बिल्डिंग में 500 लोग काम कर रहे हैं, लेकिन फायर सेफ्टी का कोई सिस्टम नहीं है। यहां आग लगने पर बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसके चलते फायर सेफ्टी को लेकर बिल्डिंग को सील किया गया।

बावड़ी हादसा : 33 गवाह, 36 पोस्टमार्टम रिपोर्ट्स, 150 साक्ष्य... फिर भी दोनों आरोपी बरी

36 मौतों के दोषियों को सजा नहीं दिला पाई पुलिस !

संवाददाता ● इंदौर

शहर के चर्चित बावड़ी हादसे में 36 लोगों की मौत के मामले में जिला कोर्ट ने दोनों आरोपियों श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवाराम गालानी और सचिव मुरली को बरी कर दिया। दोनों के खिलाफ दोष साबित नहीं हुआ जबकि केस में 33 लोगों की गवाही, 36 मृतकों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सहित करीब 150 से ज्यादा दस्तावेजी साक्ष्य थे। दरअसल पुलिस ने सिर्फ बयानों के आधार पर ट्रस्ट अध्यक्ष और सचिव के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया। जबकि तत्कालीन और वर्तमान निगम अधिकारी, कर्मचारियों की भूमिका की जांच ही नहीं की। यहां तक कि कथन तक नहीं लिए गए।

मामला

30 मार्च 2023 को रामनवमी के दिन स्नेह नगर स्थित बेलेश्वर मंदिर में हवन कराया जा रहा था। यहां पर पूर्व में स्लैब डालकर बावड़ी को बंद किया गया था। हवन कुंड की गर्मी और लोगों की भीड़ से स्लैब टूट गई। कई लोग बावड़ी के अंदर गिर गए। बावड़ी करीब 60 फीट गहरी थी। इस दौरान कुछ लोग सीढ़ियों और रस्सियों के सहारे बाहर निकाल लिए गए। दूसरी ओर बावड़ी में पानी और कीचड़ था जिसमें फंसकर 36 लोगों की जान चली गई। सेना की मदद से 24 घंटे चले अभियान के दौरान शव निकाले जा सके थे।

धरे रह गए सारे दस्तावेज

दरअसल ये ढेरों दस्तावेजी साक्ष्य, एमएलसी, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट्स, जब्ती आदि केस को मजबूत करने और न्याय दिलाने में अहम होते हैं। इसके चलते पुलिस ने चालान का यह पुलिंदा तैयार किया। खास यह कि यह एक साल की जांच है, लेकिन दूसरे पहलू को देखे तो आरोपियों की गिरफ्तारी के तीन दिन बाद ही पुलिस ने चालान भी पेश कर दिया। यानी इन लोगों से पूछताछ, जब्ती आदि सारी की खानापूर्ति भी हो गई जबकि 36 मौतों की जांच का गंभीर मामला था।

सालभर बाद दर्ज किया केस, फिर गिरफ्तारी

हादसे के करीब एक साल बाद 22 मार्च 2024 को पुलिस ने ट्रस्ट अध्यक्ष सेवाराम पिता गोकुलदास गालानी और सचिव मुरली पिता टेउमल के खिलाफ केस दर्ज किया। इन पर गैरइरादतन हत्या की धारा 304 (36 बार), गंभीर चोट पहुंचाने की धारा 325 (दो बार) और चोट पहुंचाने की धारा 323 (16 बार) लगाई गई। दरअसल, 36 बार यानी 36 लोगों की मौतें, गंभीर चोट में दो बार यानी दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। ऐसे ही 16 बार यानी 16 अन्य लोग घायल हुए थे जिन्हें कम चोटें थी। 22 मार्च 2024 को ही पुलिस ने अध्यक्ष सेवाराम गालानी और सचिव मुरली को गिरफ्तार किया।

कमजोर साबित हुई पुलिस की जांच

सुनवाई में यह तथ्य सामने आया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष और सचिव होने के कारण सेवकराम और मुरली को आरोपी बनाया गया था। वहां बाउंड्री वॉल पर अवैध निर्माण किए जाने और उसे हटाए जाने को लेकर नोटिस संबंधी कोई दस्तावेज पेश नहीं किया गया। पुलिस प्रोसिडिंग में भी बाउंड्री के अवैध निर्माण का उल्लेख नहीं है। एक कमजोर पहलू यह रहा कि घटनास्थल से लगा ही पार्षद कार्यालय है। पुलिस ने पार्षद कार्यालय के किसी भी व्यक्ति के कथन तक नहीं लिए। नगर निगम का कार्यालय और पार्षद दोनों के ही कार्यालय घटनास्थल (बगीचे) में हैं। उसके बाद भी नगर निगम के माध्यम से दस्तावेजों की मांग नहीं की गई और न ही प्राप्त किए गए। यह तथ्य भी पता नहीं लगाया गया कि बावड़ी पर निर्माण (स्लैब) किस संस्था ने कराया था। किस वर्ष निर्माण हुआ था। कोर्ट ने प्रोसिडिंग में लिखा है कि ये सभी ऐसे तथ्य हैं जो दर्शाते हैं कि पुलिस विवेचना का स्तर कितना नीचे तक पहुंच गया है। मामले की सत्यता की खोज न करते हुए विवेचना महज एक खानापूर्ति रह गई है।

शॉट न्यूज

नकाबपोशों ने लैपटाप और मोबाइल फोड़ा, सोने की चेन व कैश ले गए

इंदौर। लसूडिया में निजी कंपनी में काम करने वाले एक कर्मचारी के साथ 4 दिन पहले मारपीट हुई। आरोपी यहां नकाब पहनकर आए थे। मारपीट के दौरान उसका लैपटाप और मोबाइल फोड़ दिया। वहीं गले से सोने की चेन और बैग में रखा कैश लेकर फरार हो गए। इस दौरान आरोपियों ने मारपीट का वीडियो बनाया, जिसे वायरल करने की धमकी दी। पीड़ित इस मामले में लसूडिया थाने पहुंचा। यहां पर एएसआई ने दो लाईन लिखकर अदमचेक (पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेने योग्य नहीं माना) काट दिया। बुधवार को मामले की जानकारी डीसीपी जोन 2 को लगी। उन्होंने लसूडिया पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। घटना का सीसीटीवी और वीडियो भी सामने आया है। लसूडिया इलाके के महालक्ष्मी नगर में फ्रेंचो बिल्डिंग में रहने वाले महर्षि दीक्षित निजी कंपनी में काम करते हैं।

ग्राम बिहाड़िया और शिवनगर में प्लॉट लेने का रास्ता होगा साफ

इंदौर। ग्राम बिहाडिया (बिचौली हप्सी) और ग्राम शिवनगर (महू) में ग्रीन लाईफ शेल्टर्स प्रा.लि. के एमडी अरविंद बंजारी ने विकसित किए जाने की मंशा अनुसार प्लॉट बेच दिये, लेकिन विकास कार्य नहीं करवाया। ऐसे में प्लॉटधारियों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई। इस पर कलेक्टर ने कॉलोनी के बंधक भूखण्डों क्रमशः 22 व 61 का व्ययन कर विकास कार्य पूर्ण किये जाने के निर्देश इंदौर विकास प्राधिकरण को दिए। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी आरपी अहिरवार ने बताया कि बंधक भूखण्डों को व्ययन कर विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी योजनाओं में विकसित की गई अधोसंरचना के अनुसार ही विकास किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। विकास में उन्ही मानको का समावेश होगा, जो प्राधिकरण की अन्य पूर्ण विकसित योजनाओं में होते हैं।

पहाड़ी पर लगाए पौधे, सीवरेज के पानी से सींचेंगे

इंदौर। रेवती रेंज की पहाड़ी के पौधों तक सीवरेज का पानी पहुंचाने के लिए नगर निगम 10 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इस ठेके में नगर निगम को 16 लाख रुपए की बचत का भी अनुमान है। इस कार्य के लिए नगर निगम ने एक टेंडर जारी किया था, जिसमें दो कंपनियों ने इस काम को करने में रुचि व्यक्त की। निगम को इस काम के लिए न्यूनतम 10.06 करोड़ रुपए का ऑफर मिला, जो पहले अनुमानित 10.22 करोड़ रुपए से कम है। पिछले मानसून के दौरान, प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पहल पर उज्जैन रोड स्थित रेवती रेंज की पहाड़ी पर 12.5 लाख पौधे लगाए गए थे। उस समय एक बड़ी समस्या यह थी कि इन पौधों को जीवित रखने के लिए पानी की व्यवस्था कैसे की जाए।

उफ्फ! ये गर्मी... पारा 41 के भी पार

हफ्तेभर में ही चार डिग्री की उछाल

अरब सागर से आ रही नमी से मिली राहत

संवाददाता ● इंदौर

शहर में बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री रहा। इससे पहले मंगलवार को भी तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस के पार रहा था। यह सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। पिछले 6 दिनों में दिन के तापमान में 4 डिग्री की बढ़ोतरी देखी गई है। तेज गर्मी के कारण सड़कें सुनसान रहीं और शाम के समय भी गर्म हवाओं ने परेशान किया। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, 9 से 11 अप्रैल के बीच रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, जबकि दिन के तापमान में गिरावट आने की संभावना है। रात का तापमान 24 से 25 डिग्री तक पहुंच सकता है। राजस्थान से पश्चिम विदर्भ की ओर एक द्रोणिका सक्रिय है, जिसके प्रभाव से अरब सागर से नमी आ रही है। इस कारण इंदौर सहित मध्य और दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश में बादल छा सकते हैं। आने वाले दिनों में हवा का रुख उत्तर-पश्चिमी रहेगा, लेकिन बादल छाने से लू की स्थिति नहीं बनेगी और गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। गुरुवार से इसमें गिरावट शुरू हो सकती है। बादलों के कारण रात का तापमान बढ़ सकता है।

परेशानी

सीजन में पहली बार पारा 40 डिग्री के पार

विमानतल स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, सोमवार को अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री और रविवार की तुलना में 0.8 डिग्री अधिक था। यह पिछले साल अप्रैल में दर्ज अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री (18 अप्रैल 2024) से भी 0.4 डिग्री अधिक रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि संभवतः यह पहली बार है जब अप्रैल के शुरुआती दिनों में ही तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचा है, जबकि आमतौर पर ऐसा अप्रैल की 15 तारीख के बाद होता है। दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस दौरान हवा की दिशा उत्तर-पश्चिमी रही और अधिकतम गति 13 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई।

निपानिया तालाब का जीर्णोद्धार करवाकर छठ घाट बनवा दो

संवाददाता ● इंदौर

शहर में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल समुदाय के लोगों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मांग की है। उन्होंने इसके लिए उन्हें मेल के माध्यम से एक लेटर भी लिखकर निपानिया तालाब के जीर्णोद्धार, सफाई, सौंदर्यीकरण और छठ घाट बनवाने का अनुरोध किया है। महापौर को ये लेटर पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मप्र ने लिखा है। संस्थान के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह और महासचिव केके झा ने बताया कि निपानिया तालाब की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। तालाब में आसपास से आने वाले गंदे नाले का दूषित पानी मिल रहा है, जिससे यह उपयोग के योग्य नहीं रह गया है। तालाब में प्रदूषित जल के प्रवाह को रोकने, इसकी सफाई करने और किनारे छठ घाट बनाने का अनुरोध किया गया है। यह सुविधा विशेष रूप से निपानिया, पिपलियाकुमार और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए लाभकारी होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टिगरिया बादशाह, पिपलियाहना और अन्नपूर्णा तालाब पर छठ घाट निर्माण की घोषणा की है, लेकिन संस्थान का कहना है कि निपानिया क्षेत्र के लिए अलग से व्यवस्था आवश्यक है। यह प्रस्ताव शहर में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल समुदाय के हजारों छठ श्रद्धालुओं की ओर से पेश किया गया है, जो प्राकृतिक जलाशयों की कमी के कारण पर्व के दौरान असुविधा का सामना करते हैं। इस मांग की प्रति मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह सहित अन्य अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों को भी भेजी है।

निगम अफसरों की कार्रवाई पर भड़के महापौर, प्रॉपर्टी की सील खुलवाई

दादागिरी है क्या आपकी?

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम द्वारा मंगलवार को सील की गई प्रॉपर्टी को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को खुलवाया। मौके पर पहुंचकर न सिर्फ अधिकारियों से जवाब-तलब किया, बल्कि जमकर फटकार भी लगाई। चिल्लाते हुए बोले- "दादागिरी है क्या आपकी? ऐसे ही सील कर देंगे क्या? ये अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" दरअसल मामला गणेशगंज क्षेत्र का है, जहां नगर निगम की फायर सेफ्टी टीम ने रविशंकर मिश्रा की प्रॉपर्टी को सील कर दिया था। मिश्रा ने निगम के खिलाफ करीब 2 करोड़ मुआवजे की मांग को लेकर कोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। यह मुआवजा 2016-17 में सड़क चौड़ीकरण के दौरान टूटे मकान के एवज में मांगा गया है। मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

कोर्ट ने दिया था आदेश

बीते शुक्रवार को मुआवजा नहीं मिलने पर कोर्ट ने निगमायुक्त कार्यालय सील करने के आदेश दिए थे। इसके महज चार दिन बाद निगम की फायर टीम ने मिश्रा की ही प्रॉपर्टी पर कार्रवाई कर दी। मिश्रा ने जब मौके पर मौजूद अधिकारियों से कारण पूछा, तो उन्हें टालते हुए कहा गया—"निगमायुक्त से बात कीजिए।" बुधवार को दिल्ली से लौटते ही महापौर पुष्यमित्र भार्गव एयरपोर्ट से सीधे गणेशगंज पहुंचे। उन्होंने सील नोटिस देखा, परिवार से बातचीत की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। रविशंकर मिश्रा ने कोर्ट से जुड़े दस्तावेज और पुराना रिकॉर्ड दिखाया। इसके बाद महापौर ने अधिकारियों को मौके पर ही फटकारते हुए प्रॉपर्टी को तुरंत खोलने के निर्देश दिए। "किसके आदेश पर आए थे? क्या कल आप कार्रवाई में मौजूद थे? ZO अधिकारी को किसने अधिकार दिया सील करने का?" उन्होंने कहा, "हम जनता के प्रतिनिधि हैं और जनता के साथ खड़े रहेंगे। ऐसी द्वेषपूर्ण कार्रवाई दोबारा न हो, इसकी जिम्मेदारी भी हमारी है।"

पानी को तरसे, खाना भी नहीं बन सका

प्रॉपर्टी सील होने के चलते मिश्रा परिवार मंगलवार रात को पानी तक नहीं भर पाया। रसोईघर सील होने के कारण खाना भी नहीं बन सका। बुधवार को जैसे ही महापौर के निर्देश पर सील खोली गई, परिवार के चेहरे पर राहत दिखी।

सांसद ने की थी रेल मंत्री से मांग

वैष्णोदेवी के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर से जम्मू-कश्मीर और वैष्णोदेवी के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलने की संभावना है। बताया जा रहा है कि यह ट्रेन अप्रैल के आखिरी सप्ताह से शुरू हो सकती है। इंदौर से श्री माता वैष्णोदेवी कटरा स्टेशन के लिए चलने वाली इस नई समर स्पेशल ट्रेन की मांग सांसद शंकर लालवानी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से की थी। लालवानी का कहना है कि जल्द ही इस ट्रेन की घोषणा हो सकती है और इसी माह के अंत तक इसका संचालन शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि हाल ही में दिल्ली में रेल मंत्री से मुलाकात कर

मांग

उन्होंने इंदौर से कटरा के लिए समर स्पेशल ट्रेन की मांग रखी थी, जिस पर मंत्री ने सहमति दी थी। उन्होंने बताया कि रेलवे अधिकारियों से हुई बातचीत के अनुसार, यह ट्रेन अप्रैल के अंत तक शुरू की जा सकती है। इस ट्रेन के शुरू होने से इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को टिकट कन्फर्म कराने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और यात्रा सुगम हो सकेगी। बता दें कि इस मार्ग पर वर्तमान में केवल महू से कटरा के बीच मालवा एक्सप्रेस ही संचालित होती है, जिसमें साल भर वेटिंग की स्थिति बनी रहती है। गर्मी की छुट्टियों में जम्मू-कश्मीर घूमने और माता वैष्णोदेवी के दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे वेटिंग की स्थिति और गंभीर हो जाती है और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इंदौर से वर्तमान में तीन समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इनमें एक पुणे, एक निजामुद्दीन और एक पटना के लिए है। ये सभी ट्रेनें नियमित नहीं हैं और हफ्ते में कुछ दिन ही चलाई जाती हैं। सांसद लालवानी ने बताया कि वैष्णोदेवी के साथ-साथ इंदौर से दिल्ली और मुंबई सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी अतिरिक्त ट्रेनों की मांग की गई है।

लापरवाही : सड़क और बेकलेन में नजर आने लगा है कचरा

इधर स्वच्छता सर्वेक्षण पूरा हुआ... उधर फिर वही हाल!

शहर के छोटे लिटरबिन कचरे से भरे हैं और गली-मोहल्लों में अस्थाई कचरे के पाइंट बन गए हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू होने से पहले जो सफाई इंदौर में हो रही

संवाददाता ● इंदौर

शहर में स्वच्छता रैंकिंग के लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। दिल्ली से आई टीम 10 दिन इंदौर में रही और स्वच्छता को अलग-अलग पैमानों पर परखा, लेकिन टीम के रवाना होते ही सफाई व्यवस्था में ढिलाई आ गई है। शहर के छोटे लिटरबिन कचरे से भरे हैं और गली-मोहल्लों में अस्थाई कचरे के पाइंट बन गए हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू होने से पहले जो सफाई इंदौर में हो रही थी। अब वैसा माहौल नजर नहीं आ रहा है। जुलाई माह तक देश के पांच हजार शहरों की स्वच्छता रैंकिंग आ जाएगी। इंदौर नगर निगम ने आठवीं बार स्वच्छता का ताज बरकरार रखने के लिए शहर में जगह-जगह वॉल पेंटिंग की। रात में सड़कों की सफाई की। सख्ती के लिए स्पॉट फाइन लगाए और हर स्तर पर सफाई व्यवस्था को

सर्वेक्षण

दुरुस्त रखने की कोशिश की, हालांकि, शहरवासी अब मानने लगे है कि पहले जैसी सफाई व्यवस्था अब नहीं रही।

अस्थाई कचरा पॉइंट बनने लगे

रहवासियों को शिकायत है कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन वाहन फूल-पत्ती, थर्माकोल व अन्य कचरा लेकर नहीं जाते हैं। उन्हें लेने दूसरे वाहन भी नहीं आते हैं। इस कारण अस्थाई कचरा पॉइंट बन गए हैं। वहां से भी समय पर कचरा नहीं उठता है। सर्वेक्षण के बाद सख्ती लगभग खत्म हो गई है। इस कारण लोगों ने बेकलेन में भी कचरा फेंकना शुरू कर दिया है। शहर के प्रमुख मार्गों पर लगे लिटरबिन भी समय पर खाली नहीं हो पा रहे हैं। रहवासी अमित दुबे ने बताया कि बेकलेन में पड़े कचरे से बदबू आने लगी है। हमने कई बार 311 एप पर भी शिकायत की, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

नालों में गाद और गंदगी

जो बसाहट नालों के आसपास है। वहां के लोग सीधे नाले में भी कचरा फेंकने लगे हैं। इस कारण नालों में भी गंदगी बरकरार रहती है। इसके अलावा कई क्षेत्रों से सीवरेज सीधे नाले में मिल रहा है। गंदगी और गाद नालों से ठीक से नहीं हट पाई है। रैंकिंग के लिए कुछ नालों को ट्रेंच बनाकर साफ किया गया, लेकिन शहर के ज्यादातर नाले साफ नहीं है।

फोमो मतलब कुछ मिस करना नहीं, बल्कि दोस्तों के साथ जुड़ना है!

रविवार को मैं एक यूनिवर्सिटी के गेस्ट हाउस के बाहर खड़ा था, जहां लड़के और लड़कियों के हॉस्टल थे। थोड़ी दूरी पर कुछ लड़के-लड़कियां अलग-अलग ग्रुप में बातचीत कर रहे थे और हल्की हंसी की आवाजें आ रही थीं। पहली मंजिल की खिड़की से एक लड़की की तेज आवाज सुनाई दी, जो अपनी रूममेट को रूम से जल्दी तैयार होकर बाहर आने के लिए कह रही थी, ताकि वह उस ग्रुप में शामिल हो सके जो दूर खड़ा हंस रहा था। आवाज में उस उतावलेपन से ऐसा लग रहा था जैसे वह लड़-की अगर उस ग्रुप में नहीं पहुंची, तो कुछ बहुत महत्वपूर्ण मिस कर देगी।

पहले उसने विनती की, फिर चिल्लाई। इसलिए मैं वहां से हटकर उस ग्रुप के पास चला गया। दोनों लड़कियां दौड़कर ग्रुप में शामिल हो गईं। उस चिल्लाने वाली लड़की का पहला वाक्य था, ह्यऔर क्या हो रहा है?ह्ल ग्रुप में से एक ने कहा, ह्यकुछ नहीं। उस लड़की के चेहरे पर भारी असंतोष साफ दिखाई दे रहा था, जो बातचीत के बारे में जानने के लिए उत्सुक थी। वह लड़की उस इवेंट में शामिल नहीं हुई थी जिसका नाम था, ह्यकैसे पढ़ाई और खुशहाल कॉलेज जीवन को संतुलित करें।ह्ल और ग्रुप उसी इंटरैक्टिव सेमिनार के परिणामों पर चर्चा कर रहा था जिसमें उन्होंने उस दोपहर भाग लिया था।

चूंकि वह इवेंट में नहीं आई थी, इसलिए उनमें से एक ने जवाब दिया ह्यकुछ नहीं।ह्ल लेकिन इससे वह लड़की अचानक उदास हो गई और अकेले ही उस ग्रुप से बगीचे की ओर चली गई। सालों से कॉलेज जाने वाले बच्चों के साथ काम करते हुए, मैंने सीखा है कि फोमो (फीयर ऑफ मिसिंग आउट) की तीव्र भावनाओं को वास्तव में क्या प्रेरित करता है। अधिकांश मामलों में फोमो दोस्तों के साथ ह्यगपशपह्ल का हिस्सा न बनने और किसी महत्वपूर्ण सीख को मिस करने के डर से जुड़ा है, जो उनके जीवन को आकार दे सकता है। मिसिंग आउट का दर्द

एक परिदृश्य की कल्पना करें जहां आपके सभी सबसे अच्छे दोस्त बिना आपको लिए रविवार के लंच पर जाते हैं। वे एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं और स्थायी यादें बनाते हैं। जाहिर है, अकेले बैठकर या कहीं व्यस्त रहते हुए, आपका मन यह कल्पना करता है कि आप एक-दूसरे के कितने करीब हो सकते थे और क्या आप उस जुड़ाव में थे।

वास्तविक इवेंट को मिस करने से नहीं जुड़ा होता- हालांकि वह भी हो सकता है। लेकिन यह अधिकांश मामलों में दोस्तों या टीममेट्स के साथ जुड़ने का मौका खोने से जुड़ा होता है।

यह क्यों होता है? एक परिदृश्य की कल्पना करें जहां आपके सभी सबसे अच्छे दोस्त बिना आपको लिए रविवार के लंच पर जाते हैं। वे एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं और स्थायी यादें बनाते हैं। जाहिर है, अकेले बैठकर या कहीं व्यस्त रहते हुए, आपका मन यह कल्पना करता है कि आप एक-दूसरे के कितने करीब हो सकते थे और क्या आप उस जुड़ाव में थे। यह आपको सोचने पर मजबूर करता है कि वे आपको छोड़कर क्यों गए? इससे आपको लगता है कि आपके सामाजिक संबंध और संबंधितता की भावना कहां गई। और आप उदास महसूस करने लगते हैं, सोचते हैं कि आप ग्रुप में कम अहमियत रखने वाले दोस्त बनते जा रहे हैं।

और इस विचार से कहीं न कहीं एक डर उभरता है जो आपको सोचने पर मजबूर करता है कि आप धीरे-धीरे भविष्य के आमंत्रणों के लिए कम योग्य हो रहे हैं या यहां तक कि यह संभावना भी है कि आपको समूह से पूरी तरह बाहर कर दिया जा सकता है। इस तरह फोमो धीरे-धीरे दिमाग में फैलता है और बड़ा बन जाता है। फोमो को कैसे कम करें? कई अन्य चीजों के बीच विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अच्छी किताबें पढ़ना और उनके विषयों के बारे में दोस्तों के साथ चर्चा करना बेहतर काम करता है। यह बताएं कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। उस आयु वर्ग के लिए नई लेकिन दिलचस्प जानकारी साझा करें जिसमें आप हैं, जो अनिवार्य रूप से आपको लोगों को आकर्षित करने की शक्ति देती है। इस आदत को कुछ समय के लिए जारी रखें और देखें कि कैसे इससे आपकी लोकप्रियता बढ़ती है और फोमो धीरे-धीरे गायब हो जाता है। फंडा यह है कि अगर आप फोमो से प्रभावित हैं, तो इसके बारे में चिंता करने के बजाय दोस्तों के साथ जुड़ने के नए तरीके आजमाएं।

संत वचन

आज, चर्च एंटिओक के प्रसिद्ध सेंट इग्नाटियस का पर्व मनाता है, जो एक महान चर्च फादर और प्रारंभिक चर्च के प्रसिद्ध शहीदों में से एक थे, जिनका साहस, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण वास्तव में हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें।

जलवायु संकट के साथ ही बढ़ रही हैं फंडिंग की जरूरतें

एडिट.नोट

पिछले साल बाकू में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी29) में विकसित देशों ने, विकासशील देशों में जलवायु के लिए सालाना 300 अरब डॉलर जुटाने पर सहमति जताई थी। भले ही यह आंकड़ा पिछले लक्ष्य से तीन गुना अधिक है, लेकिन यह जलवायु के लिए जरूरी वित्त की कमी पूरी करने के लिए बहुत कम है। आज की चुनौती 2015 में पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के समय से कहीं जटिल है। उस समय 100 अरब डॉलर का आंकड़ा वास्तविक निवेश आवश्यकताओं का विश्लेषण किए बिना तय किया गया था। इसके विपरीत सीओपी29 को वास्तविक लागतों का अनुमान लगाना था।

मैं जलवायु वित्त पर स्वतंत्र उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समूह (आईएचएलईजी) का सदस्य हूं। इसकी एक रिपोर्ट में पाया गया है कि विकासशील देशों (चीन को छोड़कर) को 2035 तक 2.4-3.3 ट्रिलियन डॉलर के जलवायु वित्त की जरूरत होगी। इसका लगभग 60% हिस्सा बचत बढ़ाकर और सार्वजनिक घाटे को कम करके घरेलू स्तर पर हासिल किया जा सकता है। फिर भी 2030 तक 1 और 2035 तक 1.3 ट्रिलियन डॉलर की कमी बनी रहेगी। इस अंतर को पाटने के लिए बाहरी वित्तपोषण जरूरी है। सीओपी29 में वित्तपोषण की कमी को तो स्वीकार किया गया, लेकिन इस बात पर सहमति नहीं बन पाई थी कि इसकी पूर्ति कैसे करें। विकासशील देशों ने इस पर जोर दिया कि सार्वजनिक फंड की कमी को पूरा करने के लिए अमीर अर्थव्यवस्थाएं आगे आएं, जबकि विकसित देशों ने सालाना केवल 300 अरब डॉलर जुटाने की पेशकश की। साथ में एक शर्त भी जोड़ दी कि वे सीधे वित्त के प्रावधान की गारंटी नहीं दे रहे, बल्कि धन जुटाने में बस ह्यअग्रणी भूमिकाह्ल निभाएंगे। आईएचएलईजी की रिपोर्ट बताती है कि 2035 तक 650 अरब डॉलर की फंडिंग की कमी को इक्विटी और ऋण सहित निजी निवेश से पूरा किया जा सकता है। लेकिन इससे एक गहरी खाई भी सामने आई। जहां विकसित देशों ने बजट पर दबाव को कम करने के लिए निजी पूंजी का पक्ष लिया, वहीं विकासशील देशों ने सार्वजनिक वित्तपोषण पर जोर दिया। कई विकासशील देश निजी निवेश को आकर्षित करने में संघर्ष करते हैं, इसलिए वे अनुदान व ऋणों पर निर्भर रहते हैं। इन सार्वजनिक संसाधनों को कम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं को देने का मतलब है कि मध्यम आय वाले देश निजी पूंजी पर और निर्भर हो जाएंगे।आईएचएलईजी के अनुसार, जहां वर्ष 2022 में निजी जलवायु वित्त की आवश्यकता 40 अरब डॉलर थी, वहीं यह 2035 तक अनुमानित 650 अरब डॉलर हो जाएगी। लेकिन ज्यादातर निवेश कुछ ही बाजारों में केंद्रित है, जिससे पहुंच असमान और अनिश्चित हो जाती है। निजी पूंजी उपलब्ध होने पर भी, घरेलू नीतियों की वजह से निवेश को बढ़ावा नहीं मिलता है। कई सरकारें राजनीतिक कारणों से कृत्रिम रूप से ऊर्जा की कीमतें कम करती हैं, जिससे बिजली प्रदाता लाभ के साथ काम नहीं कर पाते। विदेशी निवेशक इसे जोखिम के रूप में देखते हैं और निवेश से हिचकते हैं।सार्वजनिक क्षेत्र का साथ अब भी महत्वपूर्ण बना हुआ है। बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) और द्विपक्षीय संस्थाएं निजी निवेशकों के लिए जोखिम कम कर सकती हैं, साथ ही सरकारों को स्थिर और निवेश-अनुकूल वातावरण बनाने में मदद कर सकती हैं। वैश्विक जलवायु प्रयासों के प्रति ट्रम्प प्रशासन का शत्रुतापूर्ण रवैया और जीवाश्म ईंधन के विस्तार पर उनका जोर अंतरराष्ट्रीय जलवायु वित्त को कमजोर करेगा। ऐसे में क्या सालाना सीओपी बैठकें करना सही तरीका है? हर साल हजारों अधिकारियों, बिजनेस लीडर्स और गैर सरकारी संगठनों को इकट्ठा करने से जरूरी है जलवायु संकट पर ध्यान केंद्रित करना और ऐसे निर्णय लेना, जिनके ठोस नतीजे निकलें। क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहा है।

ज्यां द्रेज- लेखक

मुफ्त राशन या पेंशन को रेवड़ी' की तरह देखना ठीक नहीं

कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक साधारण-सी तस्वीर को लेकर खूब चर्चा हुई थी। यह तस्वीर तेलंगाना के एक बुजुर्ग दलित दम्पती नरसैया और गंगम्मा की थी। नरसैया और गंगम्मा के बच्चे गुजर चुके हैं, और बुढ़ापे के कारण वे खेत मजदूरी नहीं कर पाते हैं। वे मुख्यतः मनरेगा के तहत हर साल 100 दिन के काम, 2000 रुपए प्रति माह पेंशन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से महीने में 12 किलो मुफ्त चावल से अपना गुजारा करते हैं। इस तस्वीर को देखकर कई पाठक खुश हुए। लेकिन कई अन्य लोगों ने इन सामाजिक लाभों पर आपत्ति जताई और इन्हें रेवड़ी या भीख कहा। उनके अनुसार गरीबों को कुछ भी मुफ्त में नहीं मिलना चाहिए। कुछ लोगों ने तर्क दिया कि अगर गरीबों को मुफ्त में पैसे मिलेंगे तो वे काम करना बंद कर देंगे। दूसरों ने आगे बढ़कर कहा कि गरीब लोगों की मदद करना हमारी जिम्मेदारी नहीं है।

मनरेगा के तहत रोजगार तो निश्चित रूप से रेवड़ी नहीं है। नरसैया और गंगम्मा के गांव में मनरेगा मजदूरों ने भूमि विकास जैसे कई उपयोगी काम किए हैं। वे 300 रुपए प्रतिदिन की मामूली मजदूरी के पूरी तरह हकदार हैं। पेंशन और चावल तो उन्हें मुफ्त में ही मिलता है। लेकिन इन्हें भी भीख समझना अजीब है। याद रखें कि नरसैया और गंगम्मा जैसे व्यक्तियों की स्थिति सदियों के शोषण का परिणाम है। जमीन, सम्पत्ति, शिक्षा, नौकरी, सत्ता, सिफारिश, सम्पर्क- ये सभी संसाधन उनकी पहुंच से बाहर रहे हैं। इस ऐतिहासिक अन्याय के लिए उन्हें कुछ मुआवजा तो मिलना चाहिए। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति रात में आपकी सारी सम्पत्ति लूट ले और फिर सुबह वापस आकर आपको कुछ पैसे दे दे। क्या आप इस पैसे को रेवड़ी कहेंगे? हां, आपको नकद मुफ्त मिल रहा है। लेकिन यह पहले से ही आपसे चुराया गया था। आप इस उदाहरण से हैरान हो सकते हैं, मैं इसे समझाने की कोशिश करता हूं। अमीर लोग अक्सर सोचते हैं कि उनकी कमाई उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। इसलिए उन्हें लगता है कि वे इसके हकदार हैं और इसे दूसरों के साथ साझा नहीं करना चाहते। लेकिन सच्चाई यह है कि उनकी मेहनत अपने आप में उनकी सफलता में बहुत छोटा हिस्सा निभाती है।

उनका काम उन संसाधनों के विशाल भंडार से उत्पादक बनता है, जो हमें पिछली पीढ़ियों से विरासत में मिले हैं, जैसे पूंजी, ज्ञान, तकनीक, संस्थान, सुविधाएं आदि। इन संसाधनों को हम समाज की सामूहिक पूंजी कह सकते हैं। इस बात को समझने के लिए, कल्पना कीजिए आपको अपनी आजीविका अकेले अपने श्रम से चलानी है, बिना किसी सामूहिक पूंजी की मदद से। तब शायद आप मिट्टी की झोपड़ी में रह रहे होते और जंगली फल-फूल खा रहे होते। सामूहिक पूंजी ही उत्पादक और आसान जीवन जीने में आपकी मदद करती है।

नरसैया और गंगम्मा जैसे लोगों को इस सामूहिक पूंजी से वंचित किया गया है। इसलिए जब उन्हें पेंशन जैसे सामाजिक लाभ मिलते हैं, तो वे उस व्यक्ति की तरह होते हैं, जिसे रात में लूटने के बाद सुबह कुछ पैसे दिए जाते हैं। यह पेंशन रेवड़ी नहीं है, यह हमारी सामूहिक सम्पत्ति में से उनके हिस्से का एक छोटा-सा टुकड़ा है। आप इसे सामाजिक लाभांश कह सकते हैं। कहा जाता है कि कई राज्यों में सामाजिक लाभ बड़े बजट-घाटे के लिए जिम्मेदार हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हम नरसैया और गंगम्मा जैसे लोगों के लिए और बहुत कुछ कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए हमें सामूहिक पूंजी पर उनके सही दावे को स्वीकार करना होगा। इससे हमें अमीरों पर कर लगाने, फालतू खर्च को कम करने और सामाजिक लाभों को बढ़ाने की इच्छाशक्ति मिलेगी। यदि आप इस बात से आश्वस्त नहीं हैं कि नरसैया और गंगम्मा जैसे लोगों के लिए और भी बहुत किया जाना सम्भव है, तो मेरा सुझाव है कि आप रीतिका खेड़ा की नई पुस्तक 'रेवड़ी या हक' पढ़ें। यह सामाजिक सुरक्षा को लेकर एक बहुत सुंदर प्रवेशिका है। इस सहज पुस्तक को पढ़कर न केवल आपकी समझ बढ़ेगी, आपका दिल भी बढ़ेगा।

बिजनेस

बैंकों से मिलने वाला कर्ज हो सकता है सस्ता

आरबीआई ने दूसरी बार रेपो रेट घटाकर 6% किया, लोन सस्ते होने से ईएमआई कम होगी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी, फ्हक ने रेपो रेट को 0.25% घटाकर 6% कर दिया है। पहले ये 6.25% थी। यानी, आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। वहीं आपकी ईएमआई भी घटेगी। नए वित्त वर्ष में फ्हक की पहली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग के फैसलों की जानकारी फ्हक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे दी। ये मीटिंग 7 अप्रैल को शुरू हुई थी। इस साल फरवरी में फ्हक ने रेपो रेट में 0.25% कटौती की थी इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी मीटिंग में फ्हक ने ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की थी। फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। वहीं ब्याज दरें कम होंगी तो हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी। ज्यादा लोग रियल एस्टेट में निवेश कर सकेंगे। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाता और घटाता क्यों है? किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है।

इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है। कमेटी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट 0.25% घटाकर 6% करने के पक्ष में वोट किया। कमेटी ने अपना रुख न्यूट्रल से बदलकर अकोमोडेटिव करने का फैसला किया। ट्रेड फ्रिक्शन के कारण ग्लोबल ग्रोथ पर असर पड़ने से डोमेस्टिक ग्रोथ भी बाधित होगी। हायर टैरिफ का एक्सपोर्ट पर प्रभाव पड़ेगा। मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में सुधार के संकेत हैं। क्रूड की कीमतों में गिरावट से महंगाई को कंट्रोल में रखने में मदद मिलेगी।कंज्यूमर से मर्चेंट वढक ट्रांजैक्शन की लिमिट पर फैसला करने का अधिकार ठढउकको देंगे। मौजूदा समय में पर्सन-टु-मर्चेंट पेमेंट की लिमिट 2 लाख रुपए है। गोल्ड लोन को लेकर नए गाइडलाइंस जारी की जाएंगी।दाल और सब्जियां सस्ती होने से फरवरी में रिटेल महंगाई दर घटक-र 3.61% पर आ गई है। ये महंगाई का 7 महीने का निचला स्तर है।

राज-काज

अगले 5 दिनों में 4 दिन बंद रहेंगे बैंक:कल महावीर जयंती पर काम-काज नहीं

नई दिल्ली। अगले 5 दिनों में बैंकों में सिर्फ 1 ही दिन काम काज होगा। इस दौरान सिर्फ 11 अप्रैल, शुक्रवार को ही बैंक खुले रहेंगे, बाकी सभी दिन छुट्टियां रहेंगी। 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 12 अप्रैल को दूसरा शनिवार, 13 अप्रैल को रविवार और 14 अप्रैल को अम्बेडकर पर बैंक बंद रहेंगे। इन दिनों शेयर बाजार में भी कारोबार नहीं होगा।आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और अळट के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। अप्रैल 2025 में शेयर बाजार में 11 दिन कारोबार नहीं होना है। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार बंद है। इसके अलावा शेयर बाजार 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती और 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे पर भी बंद रहेगा।

सेंसेक्स 380 अंक गिरकर 73,847 पर बंद: निफ्टी भी 137 अंक लुढ़का

मुंबई। भारतीय बाजार का इंडेक्स सेंसेक्स आज 9 अप्रैल को 380 अंक गिरकर 73,847 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 137 अंक की गिरावट रही, ये 22,399 के स्तर पर बंद हुआ। आईटी, मेटल, बैंकिंग और फार्मा शेयर सबसे ज्यादा टूटे हैं। ठरए का निफ्टी ढरव यानी सरकारी बैंक 2.52% नीचे हैं। वहीं निफ्टी क्ळ 2.19%, निफ्टी फार्मा 1.97%, निफ्टी रियल्टी 1.90% और निफ्टी मेटल 1.48% गिरकर बंद हुए।एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई इंडेक्स 3.93% और कोरिया का कोस्पी 1.74% नीचे बंद हुए। जबकि, हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.68% ऊपर बंद हुआ।

8 अप्रैल को अमेरिका के डाउ जोन्स इंडेक्स में 0.84% की गिरावट रही। र&ढ 500 इंडेक्स 1.57% और नैस्डेक कंपोजिट 2.15% गिरा।8 अप्रैल को सेंसेक्स 1135 अंक या 1.55% चढ़क-र 74,273 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 374 अंक या 1.69% की तेजी रही, ये 22,535 के स्तर पर बंद हुआ है। कल के कारोबार में मीडिया, रियल्टी और सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी दिखी। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 4.72% चढ़ा। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक और रियल्टी इंडेक्स करीब 2.50% चढ़े। ऋटउऋ आईटी और ऑटो में करीब 2% की तेजी रही।3 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दुनियाभर में जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। भारत पर 26% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा। इस कदम ने टैरिफ वॉर शुरू कर दिया है। अमेरिका के टैरिफ के जवाब में चीन ने अमेरिका पर 34% जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। नया टैरिफ 10 अप्रैल से लागू होगा। चीन के ऐलान के बाद ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि अगर चीन अमेरिका पर लगाया गया 34% टैरिफ वापस नहीं लेता है तो उस पर बुधवार से 50% एडिशनल टैरिफ लागू होगा। इस ऐलान के बाद व्हाइट हाउस ने मंगलवार को बताया कि ये टैरिफ लागू हो गया है। टैरिफ वॉर ने इकोनॉमिक स्लोडाउन की चिंता को बढ़ा दिया है। टैरिफ से सामान महंगा होने पर लोग कम खरीदारी करेंगे, जिससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है।

अमेरिका को चीन का मुंह तोड़ जवाब, टैरिफ बढ़ाकर 84% कर दिया, ट्रंप को कितना बड़ा झटका?

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर बढ़ गई है। चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाकर 84% कर दिया है। इसका मतलब है कि चीन अब अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर 84% का अतिरिक्त शुल्क लगाएगा। टैरिफ आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला एक प्रकार का टैक्स होता है। ताजा एक्शन के बाद चीन में अमेरिकी सामान महंगा हो जाएगा। साथ ही चीन को अमेरिकी वस्तुओं का निर्यात कम हो सकता है क्योंकि वे अधिक महंगे हो जाएंगे। चीनी उपभोक्ताओं को अमेरिकी सामान खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी या उन्हें अन्य देशों से विकल्प तलाशने पड़ सकते हैं। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव को और बढ़ा सकता है। यह जवाबी कार्रवाई अमेरिका की ओर से चीनी वस्तुओं पर लगाए गए टैरिफ के जवाब में की गई है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ने की आशंका है।चीन के वित्त मंत्रालय ने गुरुवार से सभी अमेरिकी वस्तुओं पर 84 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। यह पहले घोषित 34 फीसदी से ज्यादा है। मंत्रालय ने कहा कि ये नए शुल्क 10 अप्रैल को से लागू होंगे। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीनी वस्तुओं पर 104 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद उठाया गया है। चीन ने ट्रंप के 104 फीसदी टैरिफ लागू होने के बाद अमेरिका पर 'घमंडी और धमकाने वाला व्यवहार' करने का आरोप लगाया था।पिछले शुक्रवार को चीन ने ट्रंप के 'लिबरेशन डे' टैरिफ के जवाब में अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर 34 फीसदी टैरिफ, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों पर निर्यात नियंत्रण के अलावा अन्य उपायों की घोषणा की थी। उसके बाद ट्रंप ने चीन पर 50 फीसदी टैरिफ जोड़ते हुए कहा कि उनके साथ बातचीत समाप्त हो गई है।पिछले महीने तक अमेरिका चीन पर 10 फीसदी टैरिफ लगाता था। इसके बारे में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि इसने अमेरिकी अर्थव्यवस्था से अरबों डॉलर की लूट की है। कारण है कि 'टैरिफ का दुरुपयोग करने वाले' बीजिंग ने अमेरिकी वस्तुओं पर कहीं अधिक टैरिफ लगाया है।

नई दिल्ली में खालसा साजना दिवस (वैसाखी) मनाने के लिए पाकिस्तान की तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए जत्थे के अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य।

मुख्यमंत्री बोले-तेजी से हो रहा विकास, एक्सप्रेस-वे के बाद दिल्ली-ग्वालियर में अंतर नहीं रह जाएगा

नीडम आरओबी, छात्रावासों का सीएम ने किया वर्चुअल लोकार्पण

संवाददाता • भोपाल

लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर में तेजी से अनेक विकास कार्य मूर्तरूप ले रहे हैं। ग्वालियर से आगरा तक सिक्स लेन एक्सप्रेस-वे के निर्माण से ग्वालियर और दिल्ली में कोई अंतर नहीं रहेगा। साथ ही वेस्टर्न बायपास सहित अन्य बड़े-बड़े विकास कार्य होने जा रहे हैं, जिससे अधोसंरचनागत विकास के साथ आर्थिक दृष्टि से भी ग्वालियर विकसित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर में आयोजित हुए विवेकानंद नीडम रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के लोकार्पण समारोह को भोपाल से वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्वालियरवासियों को इस सौगात के लिये बधाई देते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ग्वालियरवासियों को वेस्टर्न बायपास के रूप में एक और बड़ी सौगात दी है। केन्द्र सरकार द्वारा 4 हजार करोड से अधिक लागत से प्रदेश में मंजूर की गईं 4 महत्वपूर्ण सड़कों में ग्वालियर की वेस्टर्न बायपास भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर को रेलवे ओवरब्रिज के साथ

2 छात्रावासों की सौगात भी मिली है। 50-50 सीटर कन्या छात्रावासों से ग्वालियर की अनुसूचित जाति की बालिकाओं को पढ़ाई के लिये आवासीय सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी 11 अप्रैल को अशोकनगर जिले के आनंदपुर धाम भी पधार रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगों के लिए प्रदेश में काफी अनुकूल वातावरण बना है। ग्वालियर-चंबल अंचल में भी तेजी के साथ औद्योगिक विकास हो रहा है। गत मार्च माह में ग्वालियर-चंबल अंचल में नई औद्योगिक इकाइयों की आधारशिला रखी गई है। साथ ही आगे चलकर बड़ी-बड़ी इकाईयां यहां मूर्तरूप लेंगी। उन्होंने कहा बड़े उद्योग हों या लघु अथवा सूक्ष्म उद्योग सभी के लिये प्रदेश में काफी अनुकूल वातावरण बना है। राज्य शासन द्वारा 5200 करोड रुपए की समस्त देनदारी चुका दी गई है। ऊर्जा विभाग ने भी कोयले से संबंधित भुगतान का कार्य पूर्ण कर लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में सभी का सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों को आगामी 10 अप्रैल को महावीर जयंती और 14 अप्रैल की अंबेडकर जयंती की अग्रिम बधाई भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 1 लाख 52 हजार रुपए वार्षिक से अधिक हो गई है। प्रदेश का बजट 5 वर्ष में दोगना हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। नदी लिंक परियोजनाओं का लाभ भी ग्वालियर-चंबल को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा पार्वती-कालीसिंध-चंबल अंतरराज्यीय नदी जोड़ो परियोजना से भी ग्वालियर चंबल क्षेत्र लाभान्वित होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना और केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना दोनों से यह संभाग लाभान्वित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में श्योपुर और अन्य जिलों की विशेष पहचान है।

आरओबी बनने से शहर वासी चंद्रबदनी नाका से हाईवे तक सीधे जा सकेंगे

लगभग 937 मीटर लम्बाई और 76 मीटर स्पान में केन्द्रीय सड़क निधि से 42 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण संभाग और रेलवे द्वारा इस आरओबी का निर्माण किया गया है। रेलवे द्वारा आरओबी के 37 मीटर भाग का निर्माण किया गया है। यह आरओबी बनने से एजी ऑफिस ब्रिज पर यातायात का दबाव कम होगा। साथ ही लश्कर कम्पू से लेकर अन्य बस्तियों के निवासियों को कलेक्ट्रेट व न्यू सिटी सेंटर की बस्तियों एवं हाईवे तक जाने में कम दूरी तय करनी पड़ेगी। साथ ही जाम से मुक्ति मिलेगी। चंद्रबदनी नाका से अब हाईवे (शिवपुरी व दतिया राष्ट्रीय राजमार्ग) तक एक और सीधी सड़क शहरवासियों को मिल गई है।

इन छात्रावासों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आरओबी के साथ-साथ लगभग 7 करोड 87 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास भवन ठाठीपुर व अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास भवन सिरोल का भी वर्चुअल रूप से लोकार्पण किया। ये दोनों छात्रावास 50 - 50 सीटर हैं। प्रत्येक छात्रावास का निर्माण 3 करोड 93 लाख 38 हजार रुपए की लागत से किया गया है।

शॉट न्यूज

अब गिरफ्तार भी कर सकेंगी जांच एजेंसियां

भोपाल। मध्य प्रदेश की छह जांच एजेंसियों को लेकर राहत वाली खबर आई है, राजधानी भोपाल से। तो पहले आपको बता दें, ये छह जांच एजेंसियां कौन-कौन सी है। इनका नाम है लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, एसटीएफ और सीआईडी, सायबर सेल और नारकोटिक्स। ताजा अपडेट के मुताबिक, इन सभी एजेंसियों को गिरफ्तार किए गए या हिरासत में लिए गए आरोपी को स्थानीय कार्यालयों में रखने की अनुमति मिल गई है। इससे पहले यह सभी जांच एजेंसियां केवल भोपाल में स्थित अपने थानों में ही हिरासत में लिए गए किसी आरोपी को रख सकती थी, साइबर सेल, लोकायुक्त, एसटीएफ, सीआईडी के पास केवल भोपाल में ही थाना है।ऐसे में प्रदेश के अन्य जिलों से गिरफ्तार किये गए आरोपियों को लोकल पुलिस स्टेशन में रखने की मजबूरी थी।

सोशल मीडिया पर 8 बच्चों के बाप से प्यार

बागपत। आज कल सोशल मीडिया पर पहले युवक-युवती की दोस्ती होने और फिर उसके प्यार में बदल जाने की बात नई नहीं है। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से भी एक ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां एक महिला को सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद एक व्यक्ति से प्यार हुआ, लेकिन जब महिला व्यक्ति से मिलने पहुंची तो सच्चाई जानकर स्तब्ध रह गई। दरअसल, मेरठ निवासी एक महिला की बागपत के रटौल के एक व्यक्ति से सोशल मीडिया पर दोस्ती हो गई। महिला और रटौल निवासी उस व्यक्ति की चार सालों फोन पर बातचीत चल रही थी। बातचीत के दौरान ही दोनों पास आए और ये दोस्ती प्यार में बदल गई। महिला उस व्यक्ति से बहुत प्यार करने लगी। इसी बीच महिला का उस व्यक्ति से मिलने का मन हुआ।

आइस फैक्ट्री में गैस लीकेज, खाली करवाई

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम के जावरा में आइस फैक्ट्री से अमोनिया गैस का रिसाव होने से हड़कंप मच गया। फैक्ट्री के मजदूर काम छोड़कर भाग गए। वहीं फैक्ट्री के पास नाइट वॉक कर रहे पुलिस कर्मियों की आंखों में जलन और आंसू आने लगे तो पूरी घटना का खुलासा हुआ। जावरा के आंटिया चौराहा स्थित पोरवाल फैक्ट्री की बीती रात की यह घटना है। सूचना पर ताबड़तोड़ आसपास के घरों को खाली करवाया गया। प्रशासन की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर एक्सपर्ट्स की मदद से गैस लीक वाल को बंद करवाया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं आसपास के क्षेत्रो से फायर ब्रिगेड बुलवाकर प्रभावित क्षेत्र में पानी का छिड़काव भी करवाया। इससे स्थिति नियंत्रण में हुई है और गैस का असर कम हुआ। घटना कि सूचना पर रतलाम एसपी अमित कुमार, जावरा एसडीएम सहित प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में किया है। रतलाम से भी उधोग विभाग के अधिकारियों को बुलवाया गया है।

इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर ने छात्रा को भेजा ऐसा वॉट्स एप पर मैसेज, मच गया हंगामा

संवाददाता • जबलपुर

हंगामा

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में एक इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर की डर्टी हरकत सामने आई है। 6 छात्राओं ने ओएफके गर्ल्स कॉलेज में कार्यरत इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर अब्दुल करीम खान पर डर्टी मेसेज भेजने के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रोफेसर की डर्टी हरकत सामने आते ही आखिल विद्यार्थी परिषद के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज पहुंचकर प्राचार्य के नाम ज्ञापन देते हुए जमकर नारेबाजी की और उसके बाद पुलिस थाने पहुंचकर शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

एक छात्रा का आरोप है कि 53 वर्षीय प्रोफेसर पिछले कुछ समय से उसे व्हाट्सएप पर अश्लील और आपत्तिजनक मैसेज भेज रहे थे। असाइनमेंट के सवाल भेजने के बहाने प्रोफेसर ने पहले संपर्क बनाया और मोबाइल नंबर लेने के बाद लगातार गंदे मैसेज भेजने शुरू कर दिए। प्रोफेसर ने ऐसे गंदे मैसेज किए गए जिसका जिक्र भी नहीं किया जा सकता। जब छात्रा ने इसका विरोध किया और पूछा- सर, ये क्या भेज रहे हैं आप? प्रोफेसर फिर SORRY लिख उससे माफी मांगने लगा। इसके बाद छात्रा ने लिखा- मैं पुलिस स्टेशन जा रही हूं। छात्रा ने पुलिस को वाट्स अप के स्क्रीनशॉट्स भी सौंपे हैं, जिनमें प्रोफेसर के लिखे अश्लील शब्द साफ तौर पर देखे जा सकते हैं। शिकायत सामने आते ही कॉलेज परिसर और शहर में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

(एबीवीपी) के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और प्रदर्शन किया। छात्र संगठन की छात्रा प्रमुख आंचल मिश्रा ने कहा कि यह कोई एक छात्रा की बात नहीं है, बल्कि प्रोफेसर ने कॉलेज की कम से कम 6 छात्राओं को ऐसे ही गंदे मैसेज भेजे हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसे मानसिक रूप से बीमार प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो और उसे तत्काल निलंबित किया जाए।

पांच और छात्राओं को भी भेजे मैसेज, पुलिस केस दर्ज

वहीं, पूरे मामले में खमरिया थाना प्रभारी सरोजनी टोप्पो ने बताया कि पीड़ित छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरु कर दी गई है। सभी डिजिटल सबूतों की जांच की जा रही है और अन्य छात्राओं के बयान भी लिए जाएंगे। वहीं, पूरे मामले में अखिल विद्यार्थी परिषद की छात्रा प्रमुख आंचल मिश्रा का कहना है कि प्रोफेसर अब्दुल करीम के द्वारा अन्य पांच छात्राओं को भी अश्लील मैसेज भेजे गए हैं, जिसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

लिव इन पार्टनर के बीच हाईवॉल्टेज ड्रामा

महिला ने सरेआम युवक को पीटा

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में कोतवाली चौराहे पर आज एक हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। यहां कुछ सालों से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक और युवती के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर जमकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद हाथापाई में तब्दील हो गया और सरेराह युवती ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। किसी तरह आसपास के लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करवाया गया और महिला और युवक को पड़कर थाने ले गई। जानकारी के अनुसार मनीषा वर्मा और मनोज रैकवार के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में तब्दील हो गई और युवती ने युवक को सरेराह जमकर पीटना शुरू कर दिया। जिसकी वजह से वहां पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। जिसके बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। वहीं सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत करवाया और आगे की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि फरवरी में इंदौर में एक युवती ने बीच सड़क पर युवक की पिटाई कर दी थी, जिसका वीडियो सामने आया था। वीडियो में दिख रहा था कि युवती कभी युवक की कॉलर पकड़कर खींच रही है तो कभी उसका गला दबा रही है। जब कुछ लोग बीच-बचाव करने आए तो युवती ने उन्हें भी हटा दिया। यह घटना मधुमिलन चौराहे की थी। टीआई संजू कामले ने बताया था कि पीड़िता और आरोपी मुकेश यादव पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं, लेकिन जब मुकेश ने युवती से शादी करने से इनकार कर दिया, तो उसने आजाद नगर थाने में उसके खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

52 किलो गोल्ड के मालिक का खुलासा

सौरभ शर्मा केस में दो महीने बाद सच आया बाहर

संवाददाता • भोपाल

मामला

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सौरभ शर्मा केस में कोर्ट में चालान पेश कर गिया है। आरटीओ के करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा समेत इस मामले में 12 लोगों को ईडी ने आरोपी बनाया है। ईडी द्वारा पेश किए गए चालान में सौरभ शर्मा की मां और पत्नी का भी नाम है। ईडी ने इस बात का भी जिक्र किया है कि भोपाल के मेंडोरी में खड़ी कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए कैश सौरभ शर्मा का ही है।

12 लोगों को बनाया है आरोपी

ईडी ने चालान में 12 लोगों को आरोपी बनाया है। जानकारी के अनुसार, इसमें सौरभ शर्मा, सौरभ शर्मा की मां, सौरभ शर्मा की पत्नी दिव्या, शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर के अलावा सौरभ शर्मा की फर्में और डायरेक्टर को शामिल किया गया है। मंगलवार को जब ईडी ने अपना चालान पेश किया इस दौरान सौरभ शर्मा की मां कोर्ट में पेश थी लेकिन ईडी की टीम ने उसे गिरफ्तार नहीं किया है। ईडी ने चालान सचिन कुमार घोष की अदालत में पेश किया गया है।

लोकायुक्त ने 60 दिनों में पेश नहीं किया था चालान

इससे पहले लोकायुक्त की टीम ने सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों के खिलाफ 60 दिन में भी चालान पेश नहीं किया था। जिस कारण से तीनों को कोर्ट से जमानत मिल गई थी। जमानत मिलने के बाद भी जेल से रिहाई नहीं हुई थी। अब ईडी ने अपना चालान पेश कर दिया है। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की काली कमाई का खुलासा फरवरी महीने में हुआ था। जिस समय सौरभ शर्मा के घर पर जांच एजेंसी ने कार्रवाई की थी वह देश से बाहर था। छापेमारी के दौरान ही भोपाल में एक लावारिस कार मिली थी। इस कार का मालिक सौरभ शर्मा के दोस्त चेतन को बताया गया था। इस गाड़ी में 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपये कैश बरामद हुआ था। चेतन ने पूछताछ में बताया था कि कार उसके नाम पर थी लेकिन उसका उपयोग सौरभ शर्मा करता था। इस मामले में ईडी की टीम ने भी पूछताछ की थी। इसी पूछताछ के आधार पर ईडी ने चालान पेश किया है। जिसमें दावा किया गया है सोना और कैश सौरभ शर्मा का ही है।

चपरासी ने जांच दी बीए की कॉपी, प्रिंसिपल-अधिकारी सस्पेंड

संवाददाता • नर्मदापुरम

मामला

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के पिपरिया स्थित शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से एक अजीब गरीब मामला सामने आया है। दरअसल, विश्वविद्यालय में प्रोफेसर की बीमार होने पर चपरासी ने ही उत्तर पुस्तिका जांच दी। चपरासी ने बीए हिंदी की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर दिया जिसकी एबज में उसे 5000 रुपये दिए गए थे। चपरासी से उत्तर पुस्तिका जंचवाने के मामले में दो महीने चली जांच के बाद विभागीय कार्रवाई हुई है। मामले पर मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रकरण संज्ञान में आया है, निश्चित रूप से यह अक्षम्य अपराध है। मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रिंसिपल और नोडल अधिकारी को सस्पेंड किया गया है। मामले में शामिल प्रोफेसर और चपरासी पर

भी कार्रवाई की गई है। इस तरह की पुनरावृत्ति ना हो इसके भी निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिये हम निरन्तर कार्य कर रहे हैं, एक प्रकरण सामने आया है जो कि दुर्भाग्य और अक्षम्य है, इसे सहन नहीं किया जाएगा।

ये है पूरा मामला

दरअसल 31 जनवरी को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में यह दावा किया गया था कि कॉलेज में पदस्थ चपरासी पन्नालाल पठारिया कापियां जांच रहा है। इस मामले में कॉलेज के विद्यार्थियों ने आपत्ति जताई थी। वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग को लेकर छात्र प्राचार्य राकेश वर्मा के पास पहुंचे थे। प्राचार्य वर्मा ने इस मामले में कुछ भी स्पष्ट नहीं होने और शिकायत करने पर कार्रवाई की बात कही, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था। छात्रों ने स्थानीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी को ज्ञापन सौंपा, बाद में मामले की जांच उच्च शिक्षा विभाग ने की। जांच समिति ने 3 अप्रैल को प्रस्तुत रिपोर्ट में मूल्यांकन कार्य में हुई गंभीर लापरवाही और अनियमितता के लिए प्रभारी प्राचार्य डॉ। वर्मा और प्रोफेसर डॉ। पटेल को जिम्मेदार ठहराया, दोनों अधिकारियों को मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में दोनों का मुख्यालय क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, भोपाल नर्मदापुरम संभाग कार्यालय निर्धारित किया गया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि उच्च शिक्षा विभाग ने भले ही प्राचार्य डॉ।

बचपन में ही गुजर गए थे माता-पिता

मां-बाप की याद में बेटे ने बनवा दिया विशाल मंदिर, शुरू हुआ पूजन...

संवाददाता • बालाघाट

श्रद्धा

आपने अभी तक देखा होगा कि लोगों ने भगवान या देवी का मंदिर बनवाया है, लेकिन मध्य प्रदेश के बालाघाट में कुछ ही अलग ही देखने मिला। यहां मंगल प्रसाद रैकवार नाम के एक व्यक्ति ने अपने स्वर्गीय माता-पिता की स्मृति में उनका एक मंदिर बनवाया। युवक ने इसमें अपने माता-पिता और बड़ी मां की मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू कर दी है। लोग युवक को कलयुग का श्रवण कुमार बता रहे हैं।

बालाघाट के किरानपुर थाना क्षेत्र शांति नगर इलाके में मंगल प्रसाद रैकवार ने अपने माता-पिता और बड़ी मां के प्रति अपनी अनोखी श्रद्धा दिखाते हुए गांव में एक भव्य मंदिर बनवाया हैं। इस मंदिर की खास बात ये है कि इसमें देवी-देवता नहीं बल्कि मंगल प्रसाद ने अपने माता-पिता और बड़ी मां की भी प्रतिमाएं स्थापित की हैं। उनका मानना हैं कि जीवन में जो कुछ भी उन्होंने पाया, वो अपने माता-पिता और परिवार के संस्कारों की वजह से ही है। मंगल प्रसाद रैकवार ने बताया कि उनके पिता रामरतन जी रैकवार और मां शुभन्ति बेहद ही गरीब परिवार से थे। उनकी कोई संतान नहीं होने पर मां शुभन्ति ने अपने पति का दूसरा शादी अपनी ही मौसी की बेटी पार्वती से करवा दी थी। रामरतन और मां पार्वती की दो संतान मंगल प्रसाद रैकवार और सीताबाई हुई। जब हम दोनों भाई-बहन छोटे थे, तभी पिता की साल 1993 में हो गया था। उसके बाद दोनों ही माताओं ने बड़े ही संघर्ष का जीवन जीते हुए हमारा पालन पोषण किया।

पूर्व परिवहन मंत्री ने दिलाई थी नौकरी

तो यह सुनकर पड़ोस में रहने वाली चाची बोली क्यों झूठ बोल रही हो तीन दिनों से तो चटनी भात खा रही हो और लडके को बता रही हो कि ये सब्जी खाई वो सब्जी खाई। इस तरह अपना पेट काट- काट कर मां ने मेरी पढ़ाई करवाई थी। पूर्व परिवहन मंत्री स्वर्गीय लिखीराम कावरे ने हमारी गरीब परिस्थिति को देखते हुए उकवा में मुझे वन विभाग में दैनिक वेतन भोगी की नौकरी दिलाई थी।

गरीबी में बीता बचपन

मां ने तालाब के सिंघाड़े के साथ-साथ कई चीजों को बेचने का काम किया। मां लकड़ी और गोबर के कंडे पर खाना बनाती थी। इस तरह जीवन मे कई संघर्ष कर उन्होंने हमे पढ़ाया लिखाया। मां ने बहन सीताबाई की शादी करवा दी, लेकिन शादी के दो महीने बाद ही सांप के काटने से सीता की मौत हो गई। मां पार्वती गांव-गांव घूमकर मुरमुरे बेचती थी। एक समय की बात हैं, एक बार मैंने अपनी मां से पूछा खाना खा लिए क्या, तो उसने जवाब दिया कि गोभी बनाई थी, दूसरे दिन गया और पूछा तो बताया कि भटे की सब्जी बनाई हूं। तीसरे दिन गया और पूछा तो बताई कि आज बरबट्टी बनाई हूं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

फवाद खान के सपोर्ट में उतरीं अमीषा

बोलीं- आर्ट में भेदभाव भारतीय संस्कृति नहीं इमरान जाहिद ने भी आरटीआई दाखिल कर मांगे थे जवाब

फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर फिल्म अबीर गुलाल का जब से टीजर रिलीज हुआ है, तब से भारत में इसकी रिलीज पर विरोध जारी है। लेकिन इसी बीच अब फिल्म को बॉलीवुड इंडस्ट्री से सपोर्ट मिलना शुरू हो गया है। एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के आधार पर कला में कोई भेदभाव नहीं करती है। IANS से बातचीत में अमीषा कहा, 'मुझे पहले भी फवाद खान पसंद थे। हम हर एक्टर और हर संगीतकार का स्वागत करते हैं। ये भारत की संस्कृति है, इसलिए कला तो कला है। मैं उसमें कोई भेदभाव नहीं करती। अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों का स्वागत होना चाहिए। दुनियाभर के कलाकारों का स्वागत है। वहीं, फिल्म 'अब दिल्ली दूर नहीं' में नजर आ चुके एक्टर इमरान जाहिद ने भी इस फिल्म का सपोर्ट किया है। उनका कहना है कि यह देखकर बहुत दुख होता है कि फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज का भारत में विरोध किया जा रहा है। आज के समय में जब डिजिटल मीडिया सीमाओं को पार करते हुए सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रहा है, तो आखिर क्यों केवल सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाया जा रहा है। इमरान ने बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि देशभक्ति को किसी गैर-वैधानिक संगठन जैसे AICWA या MNS के निर्देशों से जोड़ना गलत है। कोर्ट ने यह भी माना कि भारत द्वारा पाकिस्तान को 2023 के SCO फिल्म फेस्टिवल में आमंत्रित करना और वर्ल्ड कप में उसकी क्रिकेट टीम को शामिल होने देना संविधान के अनुच्छेद 51 के तहत शांति की दिशा में कदम हैं। इमरान जाहिद ने आगे कहा, जब मैंने स्पष्ट जानकारी पाने के लिए सूचना का अधिकार (RTI) के माध्यम से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से संपर्क किया तो मुझे कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इसके बजाए मुझे ऑफिस की कार्रवाई में उलझा दिया गया।

क्या अजय देवगन हैं तब्बू के शादी न करने की वजह?

53 की उम्र में भी अकेले जी रहीं जिंदगी, ताउम्र ही रहेंगी सिंगल

अजय देवगन और तब्बू ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन उनकी दोस्ती पर्दे से कहीं आगे तक फैली हुई है, उनकी हालिया फिल्म 'औरों में कहां दम था' के बड़े दर्शक वर्ग को आकर्षित नहीं करने के बावजूद, उनके बीच का रिश्ता मजबूत है। फिल्म के प्रमोशन का एक हाल ही का थ्रोबैक वीडियो सामने आया है, जिसमें अजय मजाकिया अंदाज में बता रहे हैं कि तब्बू ने शादी क्यों नहीं की? अजय देवगन ने मजाकिया अंदाज में सुझाव दिया कि तब्बू शायद उनके जैसे किसी व्यक्ति की तलाश में हैं, लेकिन मजाक में कहा कि ऐसा कोई व्यक्ति मौजूद नहीं है। उन्होंने शुरू में मजाक में कहा कि तब्बू उन्हें चाहती हैं, लेकिन जल्दी ही स्पष्ट कर दिया कि वो उनके समान गुणों वाले दोस्त की तलाश में हैं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके जैसा कोई और नहीं है। तब्बू ने चंचल अंदाज में सिर हिलाते हुए कहा, 'बिल्कुल, मैं समझ गई मेरी जान...उन्होंने आगे कहा कि अजय का अनोखा स्वभाव उन्हें उन्हें सहन करने की अनुमति देता है, यह सुझाव देते हुए कि अगर वो अलग होते, तो शायद वो उनके साथ इतना धैर्यवान नहीं होते। अभिनेता ने यह भी कहा, 'मैंने अभी तक शादी नहीं की है, आपने शादी कर ली है और अब आपके बच्चे भी हैं।'

लंबे समय से चली आ रही साझेदारी अजय और तब्बू ने पहली बार 'विजयपथ' में अपनी केमिस्ट्री दिखाई और फिर 'थक्षक', 'दृश्यम 2' और अन्य फिल्मों में साथ काम किया। शुरुआत में रिलेशनशिप की अफवाहों से घिरे रहने के बाद, उनका रिश्ता एक मशहूर दोस्ती में बदल गया। बात अगर काम के मोर्चे पर करें तो तब्बू अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर फिल्म 'भूत बंगला' के लिए तैयार हैं। वहीं अजय देवगन की बात करें तो उन्हें आखिरी बार आजाद में देखा गया था। इसके बाद, उनकी रेड 2, सन ऑफ़ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 रिलीज के लिए तैयार हैं।

श्रद्धा कपूर चुड़ैल की तरह

'स्त्री' के डायरेक्टर अमर कौशिक ने एक्ट्रेस के लिए क्या कहा? फैंस हुए नाराज!

हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री फ्रेंचाइज के डायरेक्टर अमर कौशिक इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में अमर कौशिक ने बताया है कि उन्होंने श्रद्धा कपूर को 'स्त्री' में क्यों कास्ट किया था? डायरेक्टर अमर कौशिक और प्रोड्यूसर दिनेश विजन दोनों को ही श्रद्धा के फैंस ने हाथों-हाथ लिया और उन्हें उनकी फेवरेट एक्ट्रेस को लेकर 'चुड़ैल' वाला बयान पसंद नहीं आया। कोमाल नहाता को हाल ही में अमर कौशिक ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने बताया कि श्रद्धा को 'स्त्री' में क्यों कास्ट किया गया और इसमें प्रोड्यूसर दिनेश विजन का भी बड़ा हाथ है।

अमर कौशिक ने बताया कि फिल्म स्त्री में श्रद्धा की कास्टिंग का श्रेय प्रोड्यूसर दिनेश को जाता है और मजाक उड़ाते हुए बताया कि उन्होंने इस रोल को उन्हें कैसे दिया। अमर कौशिक ने कहा, 'श्रद्धा की कास्टिंग पूरी की पूरी दिनेश विजन को जाती है। वो श्रद्धा के साथ किसी फ्लाइट में आ रहे थे, और फ्लाइट में वो उनको मिली थीं। तो उन्होंने बोला, अमर वो जब हंसती है ना तो एकदम स्त्री की तरह, एक दम चुड़ैल की तरह हंसती है। सॉरी श्रद्धा, तो ऐसा कुछ बोला था उन्होंने। चुड़ैल बोला था या कुछ और, मैं पूरी तरह पक्का नहीं हूं। तो मैं जब उन्हें मिला तो सबसे पहले मैंने उनको बोला हंसो।' श्रद्धा के फैंस को नहीं पसंद आई ये बात

श्रद्धा कपूर को लेकर डायरेक्टर अमर कौशिक ने जो कुछ भी कहा वो फैंस को पसंद नहीं आया। इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में आप देखेंगे तो फैंस के अलग-अलग रिएक्शन देखने को मिलेंगे। एक ने लिखा, 'ये लोग एक्टिंग करने वालों को कभी एप्रिशियेट तो नहीं करेंगे, लेकिन देखो किस तरह से बात कर रहे हैं।' वहीं किसी दूसरे ने लिखा, 'श्रद्धा को स्त्री 3 छोड़ देनी चाहिए और मैडॉक फिल्म्स के साथ कोई फिल्म नहीं करनी चाहिए।' कुछ इस तरह से श्रद्धा के फैंस ने कमेंट में एक्ट्रेस का सपोर्ट किया। हालांकि, डायरेक्टर अमर कौशिक की बात से लग रहा है वो इन बातों को मजाक के तौर पर बोल रहे हैं। बता दें, 'स्त्री' 2018 में आई एक ब्लॉकबस्टर हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म का दूसरा पार्ट 2024 में आया और ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था। दोनों पाट्र्स में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। अब फिल्म स्त्री 3 की भी अनाउंसमेंट हो चुकी है जो 13 अगस्त 2027 को रिलीज होगी।

इस सस्पेंस हॉरर सीरीज को देख सूख जाएगा हलक

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी सस्पेंस हॉरर ओरिजिनल सीरीज 'खौफ' के प्रीमियर की तारीख का ऐलान कर दिया है। 18 अप्रैल से ये सीरीज स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज का निर्देशन पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन ने किया है। आठ एपिसोड वाली यह सीरीज सस्पेंस और डर से भरी हुई है, जो एक रोमांचक और तीव्र अनुभव प्रदान करती है। खौफ में मोनिका पंवार, राजत कपूर, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला जैसी शानदार कास्ट है। यह सीरीज 18 अप्रैल को भारत में प्राइम वीडियो पर और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्रीमियर होगी और अंग्रेजी में सबटाइटल्स के साथ हिंदी में उपलब्ध होगी। 'खौफ', मधु की एक डरावनी और असहज यात्रा की कहानी है, जो एक युवा महिला है और नए शहर में एक हॉस्टल में रहने के लिए आती है, जो नई शुरुआत की उम्मीद कर रही हैं, लेकिन वह इस स्थान के इतिहास और छिपे हुए रहस्यों से अनजान है। जैसे-जैसे वह अपने अतीत के साये से बचने की कोशिश करती है, वह खुद को एक भयानक संघर्ष में फंसा हुआ पाती है, जहां उसके कमरे में और उसके बाहर अज्ञात शक्तियाँ उसका पीछा करती हैं। जैसे-जैसे यह खतरनाक ताकतें अपनी पकड़ मजबूत करती हैं, मधु की वास्तविकता एक जागते हुए बुरे सपने में बदल जाती है, जिससे शायद वह कभी नहीं बच पाएगी। इस सीरीज के साथ निर्माता और शो-रनर के रूप में अपनी शुरुआत कर रही स्मिता सिंह द्वारा निर्देशित और सानजय रौत्रे और सरिता पाटिल के तहत मैचबॉक्स शॉट्स के बैनर तले निर्मित की गई है।

पेरेंट्स बने 'लव गुरु'!

तेजस्वी प्रकाश को दे डाली करण कुंद्रा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश और उनके बॉयफ्रेंड, एक्टर करण कुंद्रा, पिछले कुछ समय से बिना शादी के एक साथ 'लिव इन रिलेशनशिप' में रह रहे हैं। हाल ही में करण कुंद्रा के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा करते हुए तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि उन्हें अपने बॉयफ्रेंड के साथ 'लिव इन रिलेशनशिप' में रहने की सलाह उनके माता-पिता ने ही दी थी। तेजस्वी के ये खुलासा उनके चाहने वालों के लिए चौंका देने वाला था। दरअसल 'नागिन' एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश, करण कुंद्रा से नौ साल छोटी हैं, दोनों ने लगभग 3 साल पहले एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था। अब उनके फैंस भी अपने इस पसंदीदा कपल की शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच, उनके लिव-इन रिलेशनशिप की खबर सामने आई है। दरअसल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही हमेशा से ही अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात करते आए हैं। तेजस्वी ने बताया कि उनके माता-पिता ने उन्हें करण के साथ लिव-इन में रहने की अनुमति इसलिए दी क्योंकि उन्हें उनके उनकी बेटी के पिछले ब्रेकअप के बाद उन्हें डर था कि तेजस्वी का ये रिश्ता भी टूट जाएगा।

मेट गाला 2025 में डेब्यू करेंगी कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। 28 फरवरी को उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। अब जल्द ही एक्ट्रेस मेगा फैशन इवेंट मेट गाला में डेब्यू करने जा रही हैं। पिछले साल उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया था, जहां वह रेड सी फिल्म फाउंडेशन की तरफ से कान्स के गाला डिनर में शामिल हुई थीं। मेट गाला एक चैरिटी इवेंट है, जो हर साल न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट्स के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत 1948 में सोसाइटी मिडनाइट डिनर के रूप में हुई थी। इस फैशन शो में देश-विदेश के सितारे एक से बढ़कर एक आउटफिट पहनकर शिरकत करते हैं। मेट गाला का आयोजन और अध्यक्षता वोग मैगजीन की एडिटर-इन-चीफ अन्ना विंटोर 1995 से कर रही हैं। आमतौर पर इसका आयोजन हर साल मई के पहले सोमवार को किया जाता है। इसके अलावा एना विंटोर ही मेट गाला की थीम तय करती हैं। साथ ही मेहमानों का चयन भी एना विंटोर और उनकी टीम करती है। मेट गाला भले ही दुनियाभर में काफी पहले शुरू हो गया था। लेकिन साल 2017 से इसमें इंडियन सेलेब्स ने शिरकत करना शुरू किया था। बता दें कि भारत की ओर से पहली बार प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण ने इस इवेंट में डेब्यू किया था। साल 2023 में आलिया भट्ट ने इस शो में डेब्यू किया था। अब 2025 में कियारा आडवाणी डेब्यू करने जा रही हैं। इस बार मेट गाला 2025, 6 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट्स के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में आयोजित किया जाएगा। इसकी थीम 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल', जो फैशन के जरिए ब्लैक आइडेंटिटी की अहमियत को दिखाएगा और ड्रेस कोड 'टेलर्ड फॉर यू' रखा गया है।

अंजलि अरोड़ा ने 'जाट' के गाने पर मटकाई मक्खन जैसी कमर

लॉक अप और म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकीं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा ट्रेंड होने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। एक बार फिर से उन्होंने अपने सेंसेशनल डांस मूव्स से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। उन्होंने सनी देओल की फिल्म 'जाट' के गाने 'टच किया' पर डांस किया है और उर्वशी रौतेला को कड़ी टक्कर दी है। यूजर्स भी खूब तारीफ कर रहे हैं। कुछ तो दिल्ली में गर्मी बढ़ने की वजह भी उन्हें बता रहे हैं। उर्वशी रौतेला ने पहले 'डाकू महाराज' में 'दिबड़ी दिबड़ी' से तहलका मचाया था। इसके बाद अब वह 10 अप्रैल को आ रही फिल्म JAAT में भी अपने डांस मूव्स से बिजली गिराएंगी। Touch Kiya का एक BTS वीडियो और ऑडियो रिलीज हुआ था। जिस पर लोगों ने तरह-तरह के कमेंट्स किए थे। अब इसी गाने पर अंजलि अरोड़ा ने भी ठुमके लगाए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रील शेयर कर उर्वशी को टैग भी किया है। कोको-कोला कलर के आफटफिट में अंजलि अरोड़ा अपने स्टाइल में इस गाने के बोल पर थिरक रही हैं। उनकी लट्टू जैसी कमर और मटकती आंखें लोगों का दिल पिघला रही हैं। उनकी इस सिजलिंग परफॉर्मेंस पर हर कोई फायर इमोजी और रेड हार्ट बना रहा है। उर्वशी की तरह ही उन्होंने खुद को स्टाइल किया है। लेकिन वह उनसे काफी बेहतर कर रही हैं। ऐसा लोगों का कहना है।

सनी देओल के हाथ में कई सारे ओटीटी प्रोजेक्ट्स

बोले- वो सिल्वर स्क्रीन के लिए नहीं बने हैं

सनी देओल इन दिनों फिल्म जाट को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। सनी देओल जोरों-शोरों से प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच सनी देओल ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की है। सनी देओल ने कहा, 'मैं ओटीटी के लिए कई प्रोजेक्ट्स कर रहा हूं। वो प्रोजेक्ट्स सिल्वर स्क्रीन के लिए नहीं हैं। क्योंकि वहां की ऑडियंस अलग है। तो ओटीटी पर जाना अच्छा है। लोग आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देखते रहें।' आगे सनी देओल ने कहा कि एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए ओटीटी इंटरेस्टिंग मीडियम है। क्योंकि ये लोगों को अलग अलग वेरायटी दे रहा है और आप किसी चीज के पाबंद नहीं हैं। सनी देओल ने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अपकमिंग जेनरेशन के बीच रिलिवेंट बने रहने में मदद की है। जो लोग उनकी फिल्में बिग स्क्रीन पर नहीं देखते हैं वो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखते हैं। सनी देओल की अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो जाट के बाद लाहौर 1947 में नजर आएंगे। इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट प्रीति जिंटा हैं। सनी देओल बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। ये 1997 में आई फिल्म का सीक्वल है। इस फिल्म में वरुण धवन, अहान शेट्टी जैसे स्टार्स हैं। इसके अलावा वो रामायण में भी दिखेंगे। इस फिल्म में वो हनुमान के रोल में नजर आएंगे। वहीं सफर नाम की फिल्म में नजर आएंगे।

'गिरगिट है तुम्हारा आराध्य देव', लाइव मैच में भिड़े सिद्धू और रायुडू; धोनी से जुड़ा है मामला

एजेंसी ● मुल्लांपुर

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन 27 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अब इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है।

इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं।इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं।

पंजाब के खिलाफ मैच में धोनी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। जब दिग्गज बल्लेबाज डगआउट से निकले तो कमेंट्री पैनल में मौजूद नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा,' धोनी आज भागते हुए आ रहे हैं। इस बार इंटेंट तो उनके कदमों से ही साफ दिख रहा है।' इस पर अंबाती रायुडू ने कहा, 'जी हां बिल्कुल! धोनी की चाल देखिए, बल्ला नहीं, तलवार लेकर आ रहे हैं। आज धोनी तलवार चलाएंगे।'

'तुम्हारा आराध्य देव गिरगिट है'

इसके बाद सिद्धू ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'अरे यार बैटिंग करने आ रहे हैं या युद्ध लड़ने?' जवाब में रायुडू कहते हैं 'इतनी तेजी से तो गिरगिट भी रंग नहीं बदलता, जितनी तेजी से आप टीम बदल रहे हैं।' इस पर सिद्धू को कहते सुना जा सकता है, 'गिरगिट अगर किसी का आराध्य देव है, तो वो तुम्हारा है।' अब फैंस सिद्धू के इस बयान को धोनी से जोड़कर देख रहे हैं। अब सिद्धू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल हैंडल से एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह धोनी के विषय में बात करते दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है- 'धोनी क्रिकेट खेलने आए हैं गुरू? युद्ध लड़ने नहीं।'

गेंदबाजी की खामियां दूर करने उतरेंगे गुजरात-राजस्थान, प्लेइंग-11 में होगा बदलाव?

एजेंसी ● अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स बुधवार को जब आईपीएल के मैच में आमने-सामने होंगे तो उनकी निगाह गेंदबाजी की अपनी कमियां दूर करने पर होगी। गुजरात टाइटंस के अभी छह अंक हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के चार अंक हैं और वह भी भविष्य में किसी तरह के अगर मगर की स्थिति से बचने के लिए जीत हासिल करना चाहेगी। इन दोनों टीम के कुछ प्रमुख गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और अगर इन टीमों को तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करनी है तो उनके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

गुजरात की तरफ से गेंदबाजी में अभी तक तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और स्पिनर आर साई किशोर ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं। स्टार स्पिनर राशिद खान और अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की खराब फॉर्म उसके लिए चिंता का विषय है। टी20 के माहिर खिलाड़ी राशिद ने चार मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया है और प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन दिए हैं। आईपीएल में यह पहला अवसर है जब अफगानिस्तान के इस खिलाड़ी की शुरूआत अच्छी नहीं रही है। तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने भी तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट हासिल किया है, जबकि उन्होंने प्रति ओवर 12 रन लुटाए हैं। गुजरात के पास कोई विकल्प भी नहीं हैं क्योंकि अरशद खान या फजलहक फारूकी जैसे तेज गेंदबाज वास्तव में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। गुजरात टीम प्रबंधन राजस्थान के खिलाफ कुछ बदलाव कर सकता है। गेराल्ड कोएट्जे और महिपाल लोमरोर में से किसी खिलाड़ी को प्लेइंग-11 में जगह मिल सकती है। गुजरात का सामना अब राजस्थान के दमदार बल्लेबाजों से होगा जिसमें संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल, रियान पराग और नीतीश राणा जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। इन सभी ने 150 से अधिक की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी पंजाब किंग्स के खिलाफ 67 रन बनाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दे दिए हैं।

गुजरात की बल्लेबाजी में है ज्यादा गहराई

गुजरात की तरह राजस्थान की भी सबसे बड़ी चिंता गेंदबाजी है। उसकी तरफ से संदीप शर्मा को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए और टीम को उनसे आगे भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अहमदाबाद में अभी तक बल्लेबाजों की तूती बोली है। इस मैदान पर खेली गई चार पूर्ण पारियों में अभी तक 243, 232, 196 और 160 रन बने हैं। गुजरात की बल्लेबाजी भी काफी मजबूत है जिसमें कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर, शेरफेन रदरफोर्ड और बी साई सुदर्शन जैसे धाकड़ बल्लेबाज शामिल हैं। वाशिंगटन सुंदर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 49 रन बनाकर गुजरात की बल्लेबाजी की गहराई का अच्छा नमूना पेश किया था।

पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने से निराश हैं सोहा खान

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पिता मंसूर अली खान पटौदी अपने दौर के मशहूर क्रिकेटरों में से एक थे। हाल ही उनकी पत्नी अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने निराशा जताई, क्योंकि बीसीसीआई और ईसीबी ने कथित तौर पर पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने का फैसला किया है। यह भारत और इंग्लैंड के बीच एक टेस्ट सीरीज है। अब इस मामले पर उनकी बेटी सोहा अली खान ने भी अपनी निराशा जताई और कहा कि उनके पिता का शुरूआती दिनों में एक अंतरराष्ट्रीय भारतीय क्रिकेट टीम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान था।सोहा अली खान ने जूम से बात करते हुए कहा, ह्हमारे लिए यह निराशाजनक है कि वो पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने पर विचार कर रहे हैं या उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया है। मुझे लगता है कि मेरे पिता का भारतीय क्रिकेट में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने भारतीयों में एकता और गर्व की भावना पैदा की। उन्होंने पहला विदेशी टेस्ट जीता और इस तरह की चीजें कीं।

साइड में आ तुझे बताता हूं...

आईपीएल में विराट कोहली ने विपक्षी खिलाड़ी दी थी धमकी, खुद खुलासा किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

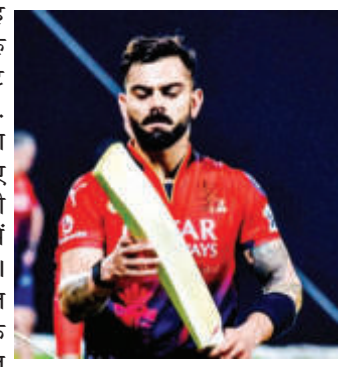

विराट कोहली ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग 2008 के पहले मुकाबले की एक मजेदार याद ताजा की। वह मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (फ्छइ) और कोलकाता नाइट राइडर्स (डडफ) के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच हुआ था। उसी मैच में केकेआर के लिए ब्रैंडन मैकुलम ने 158 रनों की पारी खेली थी। विराट उस मैच में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे। केकेआर की टीम में तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा थे।जियो हॉटस्टार के शो '18 उं'ल्लें 18' पर बातचीत करते हुए विराट कोहली बताया कि आईपीएल के पहले मैच में उन्होंने लगातार स्लेजिंग कर रहे ईशांत शर्मा को धमकी दी थी। विराट ने कहा, 'ईशांत ऑस्ट्रेलिया टूर से लौटा था, नया हेयरस्टाइल और कॉन्फिडेंस के साथ। वह मुझे स्लेज कर रहा था। मैंने भी जवाब दिया और कहा झ ह्यसाइड में आ, तुझे बताता हूंह्व। लेकिन यह सब हंसी-मजाक में था, खेल का ही हिस्सा था।'

विराट कोहली तब पहली बार दर्शकों के सामने खेल रहे थे। उन्होंने याद करते हुए कहा- मैंने ईशांत को बहुत बार खेला है, क्योंकि हम साथ में क्रिकेट खेले हैं। लेकिन उस दिन मुझे लगा जैसे वह अलग ही लेवल पर गेंदबाजी कर रहा है। यही होता है जब माहौल दबाव बना देता है। अगर वही नेट्स में होता, तो मुझे डर नहीं लगता। लेकिन उस दिन मुझे लगा कि मैं उसकी कोई भी गेंद नहीं खेल पा रहा हूं। मैं जब क्रीज पर गया, तो गार्ड मार्क करते हुए चारों ओर देखा और समझ गया कि असली दबाव क्या होता है।'उस ऐतिहासिक ओपनिंग मुकाबले में डडफ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 222 रन बनाए, जिसमें ब्रेंडन मैक्कलम की विस्फोटक 158 रन की पारी शामिल थी। जवाब में फ्छइ की टीम सिर्फ 82 रन पर ढेर हो गई। ईशांत ने उस मैच में राहुल द्रविड़ को आउट किया और कोहली सिर्फ 1 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर अब ग्लेन मैक्सवेल पर लगा जुमार्ना, एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया

एजेंसी ● मुंबई

पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। इतना ही नहीं, मैक्सवेल में खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। मैक्सवेल ने लेवल-1 के अपराध पर स्वीकार कर लिया है जिस कारण इस मामले में आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है और साथ ही एक डिमेरिट अंक भी दिए हैं। मैक्सवेल ने धारा 2.2 के अंतरगत लेवल-1 के अपराध और मैच रेफरी द्वारा लगाए गए जुमार्ने को स्वीकार किया। लेवल-1 के अपराध के लिए मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम होता है।

मैक्सवेल बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं। वह सीएसके के खिलाफ मैच के दौरान एक रन बनाकर आउट हुए थे। उन्हें सीएसके के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपना शिकार बनाया था। पंजाब की टीम हालांकि, 18 रन से यह मुकाबला अपने नाम करने में सफल रही थी। पंजाब की टीम चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक लेकर फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

कई खिलाड़ियों पर लग चुका है जुमार्ना

यह पहली बार नहीं है जब किसी खिलाड़ी पर आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जुमार्ना लगाया गया है। इस आईपीएल सीजन में पिछले कुछ दिनों से लगातार खिलाड़ियों पर जुमार्ना लग रहा है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के दिग्वेश राठी पर दो बार विवादित तरीके से जश्न मनाने के कारण जुमार्ना लग चुका है। वहीं, ऋषभ पंत, आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या, शुरूआती तीन मैच में राजस्थान रॉयल्स की कमान संभालने वाले रियान पराग और गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पर भी जुमार्ना लगाया जा चुका है।

'मैंने कभी किसी को पीछे छोड़ने की कोशिश नहीं की

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2025 में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। कोहली चार मैचों में दो अर्धशतक लगा चुके हैं। आरसीबी का सामना अब गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स के साथ होना है। कोहली ने मैच से पहले पिछले कुछ सप्ताह में उनका करियर कैसा रहा है इस पर बात की है। उन्होंने कहा कि टीम उन्हें जो भूमिका देती है वो उसे पूरा करने की कोशिश करते हैं। कोहली ने आईपीएल के 18वें सीजन से पहले चैंपियंस ट्रॉफी में कुछ अच्छी पारियां खेली थी। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक लगाया था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 84 रन बनाए थे। अपनी बल्लेबाजी पर बात करते हुए कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी किसी को पीछे छोड़ने की कोशिश नहीं की है। कोहली ने स्वीकार किया कि आईपीएल में 18 साल बिताने से उन्हें क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपने कौशल को निखारने में मदद मिली।

चेन्नई की हार का सिलसिला जारी, प्रियांश-शशांक की बदौलत जीत की पटरी पर लौटी पंजाब

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 18 रन से हराकर जीत की पटरी पर वापसी कर ली। वहीं, चेन्नई ने लगातार चौथा मैच गंवाया। मंगलवार को मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी। उनके लिए डेवोन कॉनवे ने अर्धशतकीय पारी खेली। पंजाब के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट हासिल किए जबकि यश ठाकुर और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली।220 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई को रचिन रवींद्र और डेवोन कॉनवे ने अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई जिसे मैक्सवेल ने तोड़ा। उन्होंने रचिन को प्रभसिमरन सिंह के हाथों कैच कराया। वह 23 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्रीज पर आए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

कॉनवे और शिवम ने संभाली पारी

तीसरे विकेट के लिए शिवम दुबे और डेवोन कॉनवे ने 51 गेंदों में 89 रन जोड़े। हालांकि, दुबे 42 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए। इसके बाद क्रीज पर महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी के लिए आए। अब टीम को जीत के लिए 25 गेंदों में 69 रनों की जरूरत थी। उन्होंने कॉनवे के साथ 12 गेंदों में 20 रन जोड़े। इसके बाद कॉनवे रिटायर्ड आउट हो गए। सलामी बल्लेबाज ने इस मुकाबले में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने महज 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ कॉनवे ने आईपीएल में 1000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में 1000 रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। कॉनवे के बाद क्रीज पर जडेजा पहुंचे। अब टीम को 12 गेंदों में 42 रनों की जरूरत थी। पारी का 19वां ओवर अर्शदीप सिंह ने डाला। इस ओवर में कुल 15 रन आए, अब जीत का अंतर छह गेंदों में 28 रन हो गया।

इस डेवोन कॉनवे इस आईपीएल में रिटायर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

एजेंसी ● मुल्लांपुर

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे इस आईपीएल सीजन रिटायर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा भी रिटायर आउट हुए थे। हालांकि, सीएसके के लिए यह दांव काम नहीं आया और उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पंजाब ने सीएसके के सामने 220 रनों का लक्ष्य रखा था।लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके के लिए कॉनवे ने 18वें ओवर तक बल्लेबाजी की और 49 गेंदों पर 69 रन बनाए जिसमें छह चौका और दो छक्के शामिल हैं। कॉनवे ने 37 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा, लेकिन जरूरी रन रेट बढ़ता देख उन्होंने रिटायर आउट होने का फैसला लिया।

सीएसके को उस वक्त जीत के लिए 13 गेंदों पर 49 रनों की जरूरत थी। कॉनवे के रिटायर आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा क्रीज पर आए। हालांकि, यह कदम सीएसके के लिए फायदेमंद नहीं रहा और पंजाब ने 20 ओवर में सीएसके को 201 रन पर रोक दिया। कॉनवे आईपीएल इतिहास में रिटायर आउट होने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले आईपीएल में रविचंद्रन अश्विन (2022), अथर्व तायदे (2023), साई सुदर्शन (2023) और तिलक वर्मा (2025) ऐसा कर चुके हैं। कॉनवे के रिटायर आउट होने पर सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा, कॉनवे शीर्ष क्रम में हमारे लिए काफी फायदेमंद हैं।

जब आपके पास जडेजा हैं जो मैच फिनिश करने के लिए जाने जाते हैं, आप उनसे इसी तरह की उम्मीद करते हैं। कॉनवे को रिटायर आउट करने का फैसला ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के समझ से परे था। उन्होंने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा, मुझे वह निर्णय समझ में नहीं आया, आप उस खिलाड़ी को रिटायर आउट कर देते हैं जो 69 रन पर था और मैदान पर इतना समय बिता चुका था। मुझे पता है कि आपको छक्कों की जरूरत है, लेकिन ऐसा नहीं है कि कॉनवे छक्के नहीं मार सकता।

ये मेरा अहंकार नहीं... विराट कोहली आखिर क्यों अपनी बैटिंग पर ये कहने को मजबूर हुए

एजेंसी ● नई दिल्ली

महान बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि उनका मूल सिद्धांत अहंकार पर काबू रखते हुए मैच की परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करना है। मौजूदा दौर के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक कोहली ने हाल ही में एक और उपलब्धि हासिल की । वह टी20 प्रारूप में 13000 रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। आरसीबी के स्टार कोहली ने कहा, ह्यह (बल्लेबाजी) कभी अहंकार के बारे में नहीं है। यह कभी किसी को मात देने की कोशिश नहीं है। मेरे लिए यह हमेशा खेल की स्थिति को समझने के बारे में रहा है।

यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे हमेशा गर्व है। मैं परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहता हूं।ह्व उन्होंने कहा, ह्यअगर मैं लय में होता हूं तो मैं स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी उठाने की पहल करता। अगर कोई और बेहतर तरीके से खेल रहा होता है तो वह ऐसा करता है।ह्व कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक और रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 256 मैचों में आठ शतकों के साथ 8168 रन बनाए हैं। इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने 2011 सत्र के बाद से इस प्रारूप की जरूरतों को समझ लिया।उन्होंने कहा, ह्यरॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने पहले तीन वर्षों में मुझे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने के मौके नहीं मिले। मुझे आमतौर पर निचले क्रम में भेजा जाता था।

ऐसे में मैं उस दौरान आईपीएल में बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाया।ह्व कोहली ने कहा, ह्यमैंने साल 2010 से अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया और 2011 से नियमित तौर पर तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने लगा। तब से मैंने निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन किया है।विराट कोहली ने स्वीकार किया कि लीग में 18 साल बिताने से उन्हें क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपने कौशल को निखारने में मदद मिली। उन्होंने कहा, ह्यआईपीएल आपको बहुत ही अनोखे तरीके से चुनौती देता है क्योंकि इस लीग की संरचना काफी अगल है। यह एक छोटी द्विपक्षीय श्रृंखला की तरह नहीं है, यह कई हफ्तों तक चलता है और अंक तालिका में आपकी स्थिति बदलती रहती है। लगातार बदलते परिदृश्य से अलग-अलग तरह के दबाव आते हैं। उन्होंने कहा,ह्यटूर्नामेंट से आपको मानसिक और प्रतिस्पर्धी रूप से कई तरीकों से आगे बढ़ाने की चुनौती मिलती है जो अन्य प्रारूपों में नहीं होती। इसने मुझे अपने टी20 कौशल को लगातार सुधारने और विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

तुर्की के कोन्या शहर में अफ्रीका से उत्तर की ओर पलायन करते हुए कावुशू झील के तट पर आराम करते ग्रेट व्हाइट पेलिकन पक्षी। हर साल इस झील में लाखों की तादाद में प्रवासी पक्षी आते हैं, जिन्हें देखने और कैमरे में कैद करने दुनियाभर से पर्यटक और फोटोग्राफर भी यहां पहुंचते हैं।

शॉट न्यूज

नाइटक्लब की गिरी छत, 66 लोगों की मौत

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन रिपब्लिक की राजधानी सैंटो डोमिंगो के 'जेट सेट' नाइट क्लब की छत लाइव कॉन्सर्ट के दौरान अचानक गिर गई। इस हादसे में 66 लोगों की मौत हो गई। वहीं 160 से अधिक लोग घायल हो गए। 'जेट सेट' नाइटक्लब को सैंट डोमिंगो का एक प्रमुख सांस्कृतिक स्थल माना जाता है। इस दौरान कई हाई-प्रोफाइल गेस्ट्स भी मौजूद थे। उनमें राजनेता, खिलाड़ी और संगीत प्रेमी शामिल थे। नाइटक्लब की छत गिरने से कई लोग मलबे के नीचे दब गए। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू हो गए। मलबे में फंसे लोगों को निकाला गया। आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक जुआन मैनुएल मेंडेज ने कहा, "हम मानते हैं कि उनमें से कई लोग अब भी जीवित हैं और यही वजह है कि यहां की स्थानीय सरकार तब तक हार नहीं मानेगी जब तक कि एक भी व्यक्ति मलबे के नीचे न रह जाए।"हादसे के 12 घंटे बाद भी स्थिति काफी गंभीर बनी रही क्योंकि दमकलकर्मी मलबे से लोगों को बाहर निकालने के लिए लकड़ी की पट्टियों और ड्रिल का उपयोग कर रहे थे।

इजरायली कैद में कुत्तों से कटवाया, बिजली के झटके और जबरन सेक्स

गाजा। गाजा पट्टी से इजरायली कैद से लौटे फिलिस्तीनी नागरिकों ने जो कहा, वो सुनकर किसी की भी रूह कांप उठेगी। इन्होंने बताया कि किसी को कपड़े उतारकर करंट दिए गए, भूखा-प्यासा रखकर कुत्तों से कटवाया गया, किसी को यौन हिंसा और अमानवीय यातनाओं का शिकार बनना पड़ा। ये वही लोग हैं जिन्हें अक्टूबर 7 के बाद गिरफ्तार किया था, लेकिन इजरायल के पास उनके खिलाफ न कोई ठोस सबूत था और न ही कोई चार्जशीट। अब जब ये जिंदा वापस लौटे हैं, तो दुनिया के सामने इजरायली क्रूरता की सच्चाई सामने आ रही है। गाजा से इजरायली सेना द्वारा गिरफ्तार किए और हाल ही में संघर्षविराम सौदे के तहत रिहा किए गए फिलिस्तीनी बंदियों ने इजरायली क्रूरता बयां की है। 36 वर्षीय मिस्त्री मोहम्मद अबू ताविलेह ने कहा कि उन्हें तीन दिन तक एक कमरे में बंद करके रासायनिक पदार्थों से जलाया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने संसद में नया बिल पेश किया

भारतीय छात्रों का वर्क वीजा खतरे में, 3 लाख स्टूडेंट्स की चिंता बढ़ी

एजेंसी ● वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) को खत्म करने के लिए अमेरिकी संसद कांग्रेस में एक नया बिल पेश किया गया है। इससे अमेरिका में पढ़ने वाले 3 लाख भारतीय छात्रों समेत दुनियाभर के छात्रों की चिंता बढ़ गई है। ओपीटी एक ऐसा प्रोग्राम है जो एफ-1 वीजा पर अध्ययन करने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई के क्षेत्र से संबंधित क्षेत्र में अस्थायी रूप से काम करने की अनुमति देता है। इससे विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के अंतरराष्ट्रीय छात्रों को ग्रेजुएट होने के बाद अमेरिका में 3 साल तक रहने और नौकरी खोजने की परमिशन मिलती है। अगर यह बिल पास हो जाता है तो छात्रों को एफ-1 वीजा पर काम करने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा वे एफ-1 वीजा को वर्क वीजा में

चिंता

परिवर्तन नहीं करा सकेंगे। ऐसे छात्रों को अमेरिका में काम करने के लिए एच-1बी वर्क वीजा लेना अनिवार्य होगा। यह स्थिति उन छात्रों के लिए चिंताजनक है, जो एच-1बी वर्क वीजा के लिए आवेदन कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में अमेरिका में 3 लाख से ज्यादा भारतीय छात्र थे, जिनमें से लगभग 33% ओपीटी के लिए पात्र थे।

ड्रिंक एंड ड्राइव, ओवर स्पीडिंग जैसे केस में भी भारतीय छात्रों का वीजा रद्द

अमेरिकी अधिकारियों ने छात्रों के F-1 वीजा को मामूली अपराधों के आधार पर रद्द करना शुरु कर दिया है। इनमें ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन, डिंक एंड ड्राइव, ओवर स्पीडिंग और शॉप-लिफ्टिंग जैसे अपराध शामिल हैं। हैदराबाद से संबंधित कई छात्रों को ईमेल के माध्यम से बताया गया कि उनका रिकॉर्ड समाप्त कर दिया गया है और अब वे अमेरिका में कानूनी रुप से नहीं रह सकते। छात्रों को तुरंत देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। कई छात्रों ने दावा किया कि उनकी पुरानी गलतियों को आधार बना जा रहा है, जिनकी सभी कानूनी कार्रवाई पूरी हो चुकी हैं। एक छात्र ने बताया कि उसने 2 साल पहले स्पीडिंग का उल्लंघन किया था और जुर्माना भर दिया था। एक अन्य ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के बाद सभी शर्तें पूरी की थीं। वहीं, अमेरिकी इमिग्रेशन कानूनों से जुड़े वकीलों का कहना है कि पहले ऐसे मामूली अपराधों पर वीसा रद्द नहीं होता था। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे तुरंत कानूनी सलाह लें, ताकि वीजा कैंसिल होने को रोका जा सके। ट्रम्प को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएला के प्रवासियों को डिपोर्ट करने की मंजूरी दी अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएला के प्रवासियों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया फिर से शुरु करने की इजाजत दी है। ट्रम्प सरकार ने एलियन एनिमीज एक्ट 1798 का इस्तेमाल कर 100 से ज्यादा वेनेजुएला के नागरिकों को अल साल्वाडोर भेजने की कोशिश की थी। अमेरिकी की निचली अदालत ने इस रोक लगाई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया। जजों ने कहा कि प्रवासियों के वकीलों ने गलत अदालत में मुकदमा दायर किया था।

ब्रिटेन में पहली बार ट्रांसप्लांट गर्भाशय से बच्ची का जन्म

एजेंसी ● लंदन

ब्रिटेन में एक महिला ने ट्रांसप्लांट गर्भाशय से बच्ची को जन्म दिया है। ऐसा ब्रिटेन में पहली बार हुआ है। बच्ची की मां ग्रेस डेविडसन जन्म से ही एक निष्क्रिय गर्भाशय के साथ पैदा हुई थीं। 2023 में ग्रेस को उनकी बहन का गर्भाशय लगाया गया था। ब्रिटेन का यह पहला सफल गर्भाशय ट्रांसप्लांट था। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस ऑपरेशन के 2 साल बाद फरवरी 2025 में 36 वर्षीय ग्रेस ने अपनी पहली संतान को जन्म दिया। ग्रेस और उनके पति एंगस (37 वर्षीय) ने अपनी बेटी का नाम एमी रखा है। बच्ची की मां ग्रेस को गर्भाशय डोनेट करने वाली बहन का नाम भी एमी है। 2014 में स्वीडन में ट्रांसप्लांट गर्भाशय से पहला बच्चा पैदा हुआ था। तब से अब तक 12 से अधिक देशों में 135 से अधिक गर्भाशय ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। इनमें अमेरिका,

चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत और तुर्की शामिल हैं। लगभग 65 बच्चों का जन्म हो चुका है।

बच्ची की मां ग्रेस डेविडसन स्कॉटलैंड की रहने वाली हैं। उन्हें शुरुआत से ही एमआरकेएच (मेयर-रोकिटांस्की-कुस्टर-हाउसर) सिंड्रोम था। ये एक दुर्लभ मेडिकल स्थिति है जिसमें लड़की के शरीर में जन्म से ही गर्भाशय या तो होता नहीं है या पूरी तरह विकसित नहीं होता। ग्रेस के अंडाशय पूरी तरह कार्य कर रहे थे, यानी उनके शरीर में अंडाणु बनते थे। लेकिन गर्भ धारण करने की प्राकृतिक क्षमता नहीं थी।

पत्नी को लाने पाकिस्तान गए ससुर ने छीन लिया पासपोर्ट

कानूनी जंग के बाद मिली भारत की नागरिकता

एजेंसी ● गोधरा

गोधरा के अब्दुल सत्तार पटेल साल 1954 में पाकिस्तान की यात्रा करते हैं और उनका पासपोर्ट उनके ससुर ने छीन लिया था। इसके बाद जब वह वापस भारत आते हैं तो उनको अपनी नागिरकता साबित करने के लिए छह साल तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है। अब्दुल सत्तार की यह कानूनी जंग आगे चलकर दूसरे मामलों में एक मिसाल भी बनी। अब्दुल सत्तार हाजी इब्राहिम पटेल का जन्म 1936 में पटेल नी चाली में हुआ था। वह साल 1954 से लेकर 1957 तक अपनी पत्नी को पाकिस्तान से लेने के लिए गए थे। इन तीन सालों में ही उनकी नागरिकता पर सवाल उठे। 2019 में उनकी मृत्यु हो गई। अब्दुल सत्तार पटेल ने दावा किया कि वे संविधान के अनुच्छेद 5 के तहत भारत के नागरिक हैं और इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले गए। 1964 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने तय किया कि वे वास्तव में पटेल नी चाली में रह सकते हैं। अब्दुल सत्तार हाजी इब्राहिम पटेल बनाम गुजरात राज्य का फैसला भले ही ज्यादा चर्चा में ना रहा हो, लेकिन इसने इस बात का उदाहरण दिया कि पटेल जैसे साधारण लोगों ने संविधान में अपनी असाधारण आस्था कैसे रखी। गोधरा में मौजूद वकील यूसुफ चरखा ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक मामला रहा था। इसमें यह प्रावधान किया गया कि केंद्र सरकार को पहले किसी शख्स की नागरिकता तय करनी होगी। उसके बाद ही उस व्यक्ति को विदेशी माना जा सकता है और उसके खिलाफ डिपोर्टेशन की कार्रवाई की जा सकती है।

लड़ाई

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला

निचली अदालत ने तो उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन गुजरात हाईकोर्ट ने उन्हें एक साल की जेल की सजा सुनाई थी। पटेल ने इस फैसले के खिलाफ अपील की और सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने न केवल हाई कोर्ट के फैसले को पलट दिया, बल्कि उनके मामले को फिर से विचार करने के लिए मजिस्ट्रेट के पास वापस भेज दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटेल ने पाकिस्तानी पासपोर्ट हासिल करने के अपने आचरण को इस आधार पर क्लियर किया था कि चूंकि वह कराची में थे, इसलिए वह मजबूर थे और उन्होंने ऐसा रास्ता अपनाया जो उन्हें भारत वापस आने के लिए इकलौता रास्ता लगा। एडवोकेट चरखा ने कहा, 'एक बार जब मामला मजिस्ट्रेट कोर्ट में वापस भेज दिया गया, तो मेरा मानना है कि इसके बाद कभी इस पर विचार नहीं किया गया और न ही इस पर कोई फैसला लिया गया। पटेल और उनकी पत्नी यहीं रहते रहे। उनकी पत्नी का निधन उनके निधन से कुछ साल पहले ही हो गया था।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)